प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-113 | सांध्य दैनिक | मथुरा, शुक्रवार, 19 जून 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

हाईवे पर जल्द शुरू हो सकता है अंडरपास निर्माण का काम

जल्द बनेंगे चार अंडरपास जाम से मिलेगी बड़ी राहत

इसी सप्ताह आंमत्रित होंगी निविदा

दो रेलवे पुलों का होगा चौड़ीकरण

वाहनों को भी मिलेगी गति

यूनिक समय, मथुरा। हाइवे से जुड़ी लोगों की समस्याओं का अब जल्द अंत होगा। चार अंडरपास बनने के बाद जाम से जूझते लोगों को राहत मिलेगी। अंडरपास निर्माण और दो रेलवे पुलों के चौड़ीकरण के लिए अगले तीन–चार दिनों में निविदा से जुड़ी प्रक्रिया शुरू होगी। इस काम के इसी साल पूरा होने की उम्मीद है। हाइवे के इस काम के पूरा होने से वाहनों की गति भी बढ़ेगी और लोगों का जाम से पिंड छूट जाएगा।

केंद्र सरकार के भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने हाइवे को बेहतर बनाने और लोगों को राहत देने के लिए मथुरा खंड में चार नए अंडरपास निर्माण को स्वीकृति दी है, जबकि दो रेल पुलों के चौड़ीकरण को भी हरी झंड़ी दिखाई है।

एनएचएआई से जुड़े अधिकारियों के अनुसार, चार नए अंडरपास कोटवन, कोसीकलां, जैंत के अलावा मथुरा में राधापुरम स्थित हाइवे पर बनाए जाएंगे, जबकि बाद और फरह स्थित रेलवे पुलों के चौड़ीकरण का काम भी होगा। इस काम के लिए एनएचएआई अगले दो– तीन में निविदा से जुड़ी प्रक्रिया को पूरा कर करेगी। कोटवन से मथुरा तक चार नए अंडरपास बनने के बाद वाहनों की गति में आ रही रुकावट दूर होगी, जबकि लोग अनावश्यक जाम में भी नहीं फंसेंगे। इस काम के पूरा होने से मथुरा के राधापुरम से जुड़ी तमाम कालोनी के लोगों को अंडरपास से लाभ भी मिलेगा। एनएचएआई से जुड़े अधिकारियों के अनुसार, अंडरपास निर्माण और रेलवे पुलों के चौड़ीकरण का काम जल्द शुरू होगा।

यहां भी बनी रहेगी अंडरपास की मांग

मथुरा सीमा से निकलने वाले हाइवे पर अभी और अंडरपास की आवश्यकता है। बरारी के ज्ञानेंद्र शर्मा और बृजमोहन गौड़ ने बताया के बरारी पर अंडरपास की सबसे ज्यादा जरूरत है। अंडरपास के अभाव में गांव के समीप हाइवे पर कई हादसे हो चुके हैं, जबकि गांव फतिहा पर भी अंडरपास की महती आवश्कता है, इन स्थानों पर अंडरपास बनने से दर्जनों गांवों के लोगों को लाभ मिलेगा।

झगड़े की सूचना पर पहुंची पुलिस पर हमला

फोन करने वाले ने होमगार्ड को किया घायल

हमला करने वाले को पुलिस ने किया गिरफ्तार

यूनिक समय,कोसीकलां। गांव कामर में पारिवारिक विवाद की सूचना पर पहुंची पुलिस टीम पर सूचना देने वालों ने ही हमला कर दिया। हमले में होमगार्ड गंभीर घायल हो गया। बाद में मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। घायल होमगार्ड को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के अनुसार, शनिवार देर रात करीब साढ़े ग्यारह बजे 112 पर शिकायत की गई कि गांव कामर में पारिवारिक विवाद हो रहा है। सूचना पर पीआरबी टीम कुछ ही देर में कामर पहुंच गई। मौके पर गांव का राधेश्याम पुत्र सोने हंगामा करता मिला। पुलिस को राधेश्याम ने ही कॉल कर झगड़े की सूचना देकर सहायता मांगी थी। पूछताछ में विवाद में उसकी ही गलती सामने आई, जिस पर पुलिसकर्मियों ने उसे समझाने का प्रयास किया। पुलिस का कहना है कि समझाने पर राधेश्याम नाराज हो गया और अपने परिजनों के खिलाफ कार्रवाई की जिद करने लगा। पुलिस ने उसे शांत रहने के लिए कहा तो वह उग्र हो गया। इसी दौरान उसने ईंट उठाकर पीआरबी पर तैनात होमगार्ड जितेंद्र के सिर पर मार दी। ईंट लगने से होमगार्ड लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ा।

इसके बाद आरोपी होमगार्ड के साथ मारपीट करता रहा, जिससे उसके गुप्तांगों में भी गंभीर चोटें आईं। पीआरबी से होमगार्ड को मारपीट कर घायल करने की सूचना मिलने पर चौकी और थाने से काफी संख्या में मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल होमगार्ड को हॉस्पिटल पहुंचाया। होमगार्ड को घायल करने वाले राधेश्याम को गिरफ्तार कर लिया। थाना प्रभारी निरीक्षक कमलेश सिंह ने बताया कि आरोपी राधेश्याम के विरुद्ध सरकारी कार्य में बाधा डालने, पुलिसकर्मी पर हमला करने सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

यात्री को तलवार से घायल करने वाले दो सरदार गिरफ्तार

जीआरपी ने जंक्शन से किया गिरफ्तार, तलवार बरामद

यूनिक समय, मथुरा। राजकीय रेलवे पुलिस टीम ने दो सरदारों को गिरफ्तार किया है। सरदारों ने गुरुवार ट्रेन में यात्रा के दौरान झगड़े में एक यात्री को तलवार से हमला कर घायल कर दिया था।

पुलिस के अनुसार, ट्रेन में यात्रा के दौरान सीट को लेकर यात्री और सरदारों के बीच हुए झगड़े में सरदारों ने यात्री को तलवार से हमला कर घायल कर दिया था। आरपीएफ ने घायल यात्री को अस्पताल पहुंचाया था। इस मामले में थाना जीआरपी में हमलावरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। थाना प्रभारी जीआरपी ललित भाटी अपनी टीम के साथ स्टेशन पर चेकिंग और गश्त कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें सूचना मिली की आगरा एंड पर यात्री पर हमला करने वाले दो सरदार कहीं जाने के लिए खड़े हुए हैं। पुलिस टीम ने सरदार लवदीप निवासी ग्राम टुडकोट कलां थाना मूंगा जिला मूंगा पंजाब और सरदार फतहवीर निवासी ग्राम सन्या थाना जिरकपुर जिला संगरूर पंजाब को पकड़ लिया। पुलिस ने हमले में प्रयोग की गई तलवार भी बरामद की है।

मथुरा के लोगों के लिए सुनहरा मौका

दुबई रियल एस्टेट में निवेश का सुनहरा अवसर

टैक्स–फ्री नीति से निवेश आकर्षण

प्रॉपर्टी में रियायतें और नए अवसर

यूनिक समय, मथुरा। पश्चिम एशिया में चल रहे भू–राजनीतिक तनाव के बीच दुबई का रेजिडेंशियल रियल एस्टेट बाजार निवेशकों के लिए एक नया अवसर बनकर उभरा है। टैक्स–फ्री माहौल, गोल्डन वीजा सुविधा और 100 प्रतिशत विदेशी स्वामित्व जैसी नीतियों के कारण यह शहर लगातार वैश्विक पूंजी आकर्षित कर रहा है। ऐसे में मथुरा के लोगों के लिए यहां निवेश करना सुनहरा अवसर हो सकता है।

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, सामान्य निवेशकों की भागीदारी कुछ घटी है, लेकिन बड़े निवेशक तैयार और निर्माणाधीन दोनों तरह की परियोजनाओं में सक्रिय हो गए हैं। जल्द नकदी की जरूरत वाले विक्रेताओं ने बाजार में नए विकल्प खोल दिए हैं, जिससे खरीदारों को बेहतर सौदे मिल रहे हैं।

नोएडा में जमीन कारोबार से जुड़े शांतनु सिंह का कहना है कि दुबई में भले ही छोटे निवेशक पीछे हटे हों, लेकिन बड़े खिलाड़ी दीर्घकालिक दृष्टिकोण से प्रवेश कर रहे हैं। तनाव के दौरान दुबई फाइनेंशियल मार्केट का रियल एस्टेट इंडेक्स कुछ ही दिनों में लगभग 20 प्रतिशत तक गिरा, जिसे अनुभवी निवेशक संकट नहीं, बल्कि अवसर मान रहे हैं। मौजूदा प्राइस करेक्शन विदेशी निवेशकों के लिए आकर्षण बढ़ा रहा है। प्रॉपर्टी कारोबार से जुड़े राहुल अग्रवाल का कहना है कि मथुरा के काफी लोग दुबई में इस क्षेत्र में निवेश कर सकते हैं। दुबई का न्यूट्रल और वैश्विक बिजनेस हब होना लंबे समय में निवेशकों का भरोसा बनाए रखता है। मथुरा के काफी लोग वहां सीए आदि पदों पर काम कर रहे हैं, ऐसे में यहां प्रॉपर्टी खरीदना भविष्य के लिए सुखद मौका हो सकता है।

उन्होंने बताया कि भारतीय एनआरआई 5 से 9 प्रतिशत तक की नेट रेंटल आय और टैक्स–फ्री रिटर्न के कारण यहां रुचि दिखा रहे हैं। इस समय कई चुनिंदा प्रॉपर्टी पर 12 से 15 प्रतिशत तक की छूट भी मिल रही है, जिससे खरीदारों की सौदेबाजी की स्थिति मजबूत हुई है।

मंदिरों में दान के हिसाब में क्यों उठते सवाल?

दान में पारदर्शिता की दरकार

सोना-चांदी और अन्य नकद चढ़ावा बन रहा है कलह की वजह

दान की रकम बन से पैदा हो रहा विवाद, शिक्षा-स्वास्थ्य पर खर्च हो दान

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा समेत देश के बड़े मंदिरों में हर साल चढ़ने वाला दान, यानि चढ़ावा अब कलह की वजह बनने लगा है। इसी वजह से दान के संग्रह, प्रबंधन और उपयोग को लेकर लगातार बहस और विवाद भी सामने आ रहा है। ऐसे में दान आनलाइन होने ओर जमा धन को शिक्षा, स्वास्थ्य और संस्कार- संस्कृति के कामों पर खर्च करने की बात भी होने लगी है। मंदिरों में से जिस प्रकार आजकल भक्तों द्वारा चढ़ाए गए दान के आदि की चोरी की घटनाएं सामने आ रहीं हैं, वो निश्चित रूप से आस्था को ठेस पहुंचाने वाली हैं। इसका निवारण दैनिक आधार पर इनकी गणना करके उसका समुचित अभिलेख सुरक्षित रखने से ही संभव है।

मथुरा के अलावा देश के प्रमुख मंदिरों में हर वर्ष हजारों करोड़ों रुपये का दान आता है। नकद दान, सोना-चांदी, आभूषण, भूमि की वजह से कई मंदिरों की आय तो छोटे नगर निकायों के बजट से भी अधिक हो चुकी है। ऐसे मंदिरों में वृंदावन का बांकेबिहारी, मथुरा का श्रीकृष्ण जन्मस्थान, तिरुमाला तिरुपति वेंकटेश्वर, माता वैष्णो देवी और शिरडी साईं बाबा ऐसे मंदिर हैं, जहां प्रतिदिन लाखों रुपये का दान आता है, इन मंदिरों में नकद दान के अलावा सोना और चांदी भी बड़ी मात्रा में चढ़ाए जाते हैं। बीते सालों से इन मंदिरों में आने वाला चढ़ावा विवाद की वजह बन रहा है। इसी कारण दान के प्रबंधन और पारदर्शिता का मुद्दा लगातार चर्चा में बना है।

हाल में राम मंदिर से जुड़े दान प्रबंधन को लेकर विवाद सामने आया, जिसके बाद मंदिर प्रशासन और ट्रस्ट की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे। अब ताजा मामला श्रीकृष्ण जन्म भूमि से जुड़ा सामने आया है। दान के पैसो में हेरा-फेरी की बात कह रहे दिनेश फलाहारी ने इस मामले की जांच को सीएम आदित्यनाथ को खून से पत्र लिखा है, जबकि जन्म स्थान ट्रस्ट ने दिनेश फलाहारी पर ही वसूली के आरोप लगाए हैं। जन्मस्थान से जुड़े दान को लेकर इंटरनेट मीडिया पर कई दावे वायरल हुए हैं। कई मंदिरों में वीआईपी दर्शन पास और विशेष सुविधाओं को लेकर भी बहस छिड़ी हुई है। आलोचकों का कहना है कि दान या अतिरिक्त शुल्क देने वालों को अलग सुविधाएं मिलती हैं, जबकि समर्थकों का तर्क है कि इससे मंदिरों के रखरखाव और सेवाओं के लिए संसाधन जुटते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि अब मंदिर केवल धार्मिक केंद्र नहीं रहे, बल्कि बड़े सामाजिक और आर्थिक संस्थान बन चुके हैं। कई मंदिर ऑनलाइन दान पोर्टल चला रहे हैं। डिजिटल भुगतान स्वीकार कर रहे हैं। विशेष दर्शन योजनाएं चला रहे हैं। श्रद्धालुओं के लिए आधुनिक सुविधाएं विकसित कर रहे हैं। इससे अधिक श्रद्धालुओं को आकर्षित करने और दान बढ़ाने की अप्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धा भी देखी जा रही है।

यह भी प्रश्न मांगते हैं उत्तर

दान राशि का उपयोग कैसे हो रहा है। क्या नियमित ऑडिट हो रहे हैं। क्या आय और व्यय का पूरा विवरण सार्वजनिक होना चाहिए, क्या धार्मिक संस्थानों को अधिक पारदर्शी बनाया जाना चाहिए। पारदर्शी लेखा-जोखा आवश्यक है। नियमित ऑडिट होना चाहिए।

श्रद्धालुओं की बात

सुधीर गौड़ का कहना है कि दान राशि के उपयोग की सार्वजनिक जानकारी उपलब्ध कराई जानी चाहिए। डिजिटल भुगतान और निगरानी प्रणालियों को बढ़ावा देना चाहिए।

जूनगू शर्मा का कहना है कि दान को लेकर पारदर्शिता होनी चाहिए। मंदिरों में आए दान का धन गरीबों के कल्याण में खर्च हो। आनलाइन दान को बढ़ावा भी मिले।

बालक की हत्या कर शव फैंकने वाले तीन गिरफ्तार

पुलिस ने अभियुक्तों तक पहुंचने के लिए खंगाले 350 कैमरे

यूनिक समय, मथुरा। हाइवे पुलिस और स्वाट टीम ने संयुक्त कार्रवाई करके बालक की हत्या करने वाले तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, माल गोदाम रोड आर्मी एरिया में पुलिस को बीते माह एक 14 वर्षीय बालक का शव मिला था।

बालक के हाथ - पैर बंधे हुए थे। 0 उसके शरीर पर चोटों के निशान होने के साथ-साथ गले में एक काले रंग का धागा भी बंधा हुआ था, जिससे उसकी गला घोंट कर हत्या की गई थी। इस मामले में उप निरीक्षक संदीप सिंह ने थाना हाइवे पर अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था।

इस मामले का खुलासा करने के लिए पुलिस ने करीब 350 से अधिक सीसी कैमरों की फुटेज खंगाली और अपने खबरियों का सहारा लिया। इसके बाद बालक की हत्या में शामिल तीन अभियुक्त प्रकाश में आए। पुलिस उनको तलाश कर रही थी। एक सूचना के आधार पर अभियुक्त सूरज उर्फ गोलू निवासी अवैरनी थाना बल्देव, राजकुमर उर्फ राजू निवासी नगला पूंठा थाना महावन और बाबा सेवागिरी उर्फ लवकुश साकेत निवासी ग्राम ठाकुर तमरी थाना लोह जनपद मऊगंज मध्य प्रदेश को भरतपुर तिराहे के समीप से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार करने वाली टीम में थाना प्रभारी निरीक्षक प्रशांत कपिल, स्वाट टीम प्रभारी अजय वर्मा , उप निरीक्षक सूरज कुमार और पुलिस टीम है।

देशी तमंचा-कारतूस के साथ गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। थाना राया पुलिस ने मल्हू अंडर पास के समीप अभियुक्त विकास निवासी इंद्रपुरी कॉलोनी बाकलपुर थाना जैंत को एक देशी तमंचे और कारतूसों के साथ गिरफ्तार किया है।

बांकेबिहारी मंदिर में शोर बना चिंता

प्रमुख संवाददाता

ध्वनि प्रदूषण से हो रही सुनने की समस्या

सेवायतों ने उठाई गंभीर आपत्ति

यूनिक समय, वृंदावन। ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में अब ध्वनि प्रदूषण का असर सेवायतों के कानों पर पड़ रहा है। आरोप लगाया गया है कि बढ़ते ध्वनि प्रदूषण कम सुनाई देने लगा है। कई गोस्वामियों ने इस मुद्दे को जोर- शोर से उठाना शुरु कर दिया है।

कई सेवायतों का कहना है कि मंदिर परिसर में माइकों से ध्वनि प्रदूषण इतना अधिक बढ़ गया है कि मंदिर कार्यालय से व्यवस्था बनाने के लिए की जाने वाली घोषणा से कुछ भी सुनाई नहीं देता है। वैसे ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की जय-जयकार से गुंजायमान होता है और ऊपर से लाउस्पीकरों से हर पांच और दस

मिनट में होने वाले उद्घोषणाओं से ध्वनि प्रदूषण इतना अधिक हो गया। उसका मानक देखकर ऐसा लगता है कि आने वाले समय में ध्वनि प्रदूषण को न रोका गया तो सेवायत के कानों पर बड़ा असर पड़ सकता है। सेवायतों का कहना है कि प्रबंध कमेटी के सामने इस मुद्दे को उठाने के लिए कई बार प्रयास किए, लेकिन गंभीरता नहीं दिखाई। अब सुप्रीम कोर्ट की ओर से बनाई कमेटी में शामिल नए सेवायतों सदस्यों से शिकायत की गई है कि वह ध्वनि प्रदूषण के मामले को बैठक में उठाएं। कहा कि ठाकुर बांकेबिहारी महाराज बाल स्वरूप में मंदिर में विराजमान है। बच्चे के सामने शोर होना गलत है। सेवायत घनश्याम गोस्वामी और सेवायत ज्ञानेंद्र गोस्वामी ने मंदिर परिसर में बढ़ते ध्वनि प्रदूषण पर चिंता जाहिर की है।

तापमान / मौसम

39 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

29 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना-चांदी भाव

सोना
24 कैरेट 1,46,010
22 कैरेट 1,33,842
(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी
2,50,000 प्रति किलो

हंसता आईना

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक-पवन गौतम
फोन नंबर-0565-2420150,
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

यमुना एक्सप्रेस वे पर हुई भीषण दुर्घटना

रोडवेज बस में पीछे से टकराई कार, दो लोगों की मौत

यूनिक समय, बल्देव। थाना बल्देव के यमुना एक्सप्रेस-वे पर शुक्रवार प्रातः माइल स्टोन संख्या 136 पर आगे चलती बस में पीछे से तेज गति से आती कार घुस गई। दुर्घटना में कार सवार दो लोगों की मौत हो गई। घटना से मृतकों के परिजनों में कोहराम मच गया।

पुलिस के अनुसार, शुक्रवार सुबह करीब 3:30 बजे पीआरवी–5838 और डेल्टा कंट्रोल को सूचना मिली कि यमुना एक्सप्रेस-वे पर आगरा से नोएडा की ओर जाने वाले मार्ग पर माइल स्टोन संख्या 136 के निकट आगे चल रही रोडवेज बस में पीछे से तेज गति से आती कार घुस गई। इस जानकारी पर पुलिस और राहत टीम मौके पर पहुंच गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आगे चल रही रोडवेज में पीछे से तेज गति से आती अनियंत्रित हुई कार टकरा गई। दुर्घटना में कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस और बचाव और राहत टीम ने दुर्घटना ग्रस्त कार में फंसे दो लोगों को किसी तरह बाहर निकाला गया, लेकिन उस समय तक दोनों की मौत हो चुकी थी। पुलिस के अनुसार मरने वालों की पहचान परमहंस पांडेय और बिट्टू निवासी विकास कुंज, दिबियापुर, जनपद औरैया के रूप में हुई है। पुलिस ने इस घटना के बारे में परिवार के लोगों को सूचना दी। दोनों की मौत की खबर से परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने दोनों शवों

युवकों की बाइक डिवाइडर से टकराई एक की मौत, दूसरे की हालत गंभीर

यूनिक समय, मथुरा। राष्ट्रीय राजमार्ग पर कोसीकलां थाना क्षेत्र में देर रात हुए सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों युवक बिहार से बाइक पर सवार होकर दिल्ली जा रहे थे। पुलिस के अनुसार, भागलपुर जिले के खड़िया बाजार थाना क्षेत्र के तुलसीपुर निवासी मंथन कुमार (28) अपने साथी के साथ बाइक से दिल्ली जा रहा था। बैंक कॉलोनी के समीप उनकी बाइक अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मंथन कुमार को मृत घोषित कर दिया। दूसरे युवक का उपचार जारी है और उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचना देकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे पर बाजना के युवक की मौत, दो गंभीर घायल

यूनिक समय, बाजना। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर शुक्रवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे ने तीन परिवारों की खुशियां छीन लीं। गाजीपुर से लखनऊ की ओर जा रही एक तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई। हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि युवक-युवती समेत दो लोग गंभीर घायल हो गए।

मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार सुबह करीब नौ बजे पीआरवी 8899 को सूचना मिली कि पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के माइल स्टोन 94.400 के पास एक बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बाइक की रफ्तार इतनी अधिक थी कि अनियंत्रित होने के बाद वह सीधे डिवाइडर से टकरा गई।

बाइक के परखच्चे उड़ गए। हादसे में जान गंवाने वाले युवक की पहचान कौशल पुत्र ओम प्रकाश, निवासी आर्य नगर, बाजना देहात, मथुरा के रूप में हुई है। वहीं, इस दुर्घटना में शिव कुमार और एक अन्य युवती गंभीर घायल हुए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस और एंबुलेंस की टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए कुमारगंज स्थित 100 शैया अस्पताल भेजा। वहीं, मृतक के शव का पंचायतनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस फिलहाल मामले की जांच कर रही है कि बाइक अनियंत्रित कैसे हुई।

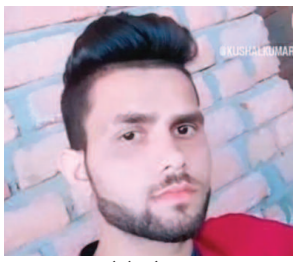

फाइल फोटो कौशल कुमार।

लिए भेज दिया है। परिवार के लोगो के भी मथुरा मोरचरी पर पहुंच गए। पुलिस दुर्घटना का कारण कार चलाने वाले को नींद की झपकी आना मान रही है। इसके बाद भी पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है।

BSA COLLEGE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY, MATHURA
A.S.M. POLYTECHNIC, MATHURA
Estd. 1997 AKTU CODE: 065 & 1182 BTE CODE: 1634 & 1227 Estd. 2017 BTEUP CODE: 1686
Established & Governed by Shri Agrawal Shiksha Mandal (Regd.), Mathura
Approved by A.I.C.T.E. & P.C.I. and Affiliated to A.K.T.U. & B.T.E.U.P., Lucknow
ADMISSION OPEN 2026-27
Courses Offered
Only College in the Region Affiliated to AKTU for
BBA & BCA
B.TECH. | MBA | MCA
(CE, CSE, CSE (AI&ML), ECE, EE, ME) (FIN, HR, MKTG, IT, IB, OP) (2 YEAR PROGRAM)
B.PHARM. | D.PHARM.
POLYTECHNIC DIPLOMA
(CE, CSE, ECE, EE, ME, ME(AUTOMOBILE), ME(PRODUCTION))
9105337818
Uma Shankar Agrawal (Adv.) (Chairman)
BSA Engineering College Road, Near New Bus Stand,Mathura

बालू के ठेके पर खाना खाते युवक पर चढ़ाया ट्रैक्टर

युवक की मौके पर हुई मौत, चालक ट्रैक्टर छोड़ भाग गया

यूनिक समय, मथुरा। थाना सुरीर के भिदौनी बालू के ठेके पर खाना खाते एक युवक पर शराब के नशे में धुत्त चालक ने ट्रैक्टर चढ़ा दिया। दुर्घटना में उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

थाना नौहझील केगांव अड्डा मैना निवासी सचिन(24) पुत्र सुगर सिंह बीती रात भिदौनी के सरकारी बालू के ठेके पर ट्रैक्टर चालक को खाना खिलाने लेकर गया था। बताया गया कि रात को करीब 11 बजे वह ठेके पर खाना खा रहा था। वहां और ट्रैक्टर भी बालू भरने के लिए खड़े हुए थे। खाना खाने के दौरान शराब के नशे में ट्रैक्टर लेकर आए एक चालक ने खाना खाते सचिन पर ट्रैक्टर चढ़ा दिया। बताया गया कि वहीं नजदीक में खड़ी सचिन की बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई। दुर्घटना के बाद चालक ट्रैक्टर को छोड़ कर मौके से भाग गया। दुर्घटना में गंभीर घायल हुए सचिन को जब तक हॉस्पिटल ले जाया जाता, उसकी मौत हो चुकी थी। सचिन के दो छोटे बच्चे है। पुलिस को भी इस बारे में सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

नीट को लेकर रेलवे की विशेष तैयारी

यूनिक समय, मथुरा। 21 जून को होने वाली नीट परीक्षा के दौरान संभावित भीड़ को देखते हुए प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर विशेष यात्री सुविधा और भीड़ प्रबंधन व्यवस्था लागू की है। आगरा कैंट, मथुरा जंक्शन, ईदगाह, कोसीकलां और धौलपुर स्टेशनों पर अतिरिक्त अधिकारियों की तैनाती की गई है, ताकि संचालन व्यवस्था सुचारु बनी रहे।मंडल रेल प्रबंधक गगन गोयल के निर्देश पर 20 जून की रात से 21 जून की रात तक वरिष्ठ अधिकारियों को स्टेशन स्तर पर जिम्मेदारी सौंपी गई है। आगरा कैंट और मथुरा जंक्शन पर 24 घंटे चिकित्सक उपलब्ध रहेंगे। साथ ही पेयजल, स्वच्छता, प्रकाश, पंखे, मोबाइल चार्जिंग और अन्य मूलभूत सुविधाओं की लगातार निगरानी की जाएगी। यात्रियों की सहायता के लिए विशेष सहायता बूथ बनाए जाएंगे, जहां कर्मचारी मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। भीड़ नियंत्रण के लिए आरपीएफ की तैनाती की गई है और स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय सुनिश्चित किया गया है।

दोस्तों के साथ परिक्रमा करने आया युवक कुंड में डूबा

गोताखोरों ने बीस मिनट के अंदर शव निकाला

युवक की मौत से परिवार में मचा कोहराम

यूनिक समय, मथुरा। गिरिराज जी की परिक्रमा करने के लिए आगरा से दोस्तों के साथ आए युवक की राधाकुंड में डूबकर मौत हो गई। युवक की मौत की खबर लगने पर परिवार में कोहराम मच गया।

आगरा के नागर गढ़ी निवासी पवन (18) पुत्र अजब सिंह कल घर से अपने दोस्तों के साथ गिरिराज जी की परिक्रमा करने के लिए गोवर्धन आया था। बताया गया कि दोस्तों के साथ परिक्रमा करने के बाद रात को करीब दो और ढाई के बीच वह राधाकुंड में स्नान कर रहा था। स्नान के दौरान उसका पैर फिसल गया और वह कुंड के गहरे पानी में जाकर डूबने लगा। दोस्तों और घाट पर मौजूद लोगों के शोर करने पर कुछ ही देर में गोताखोरों ने युवक को तलाश करके बीस मिनट के अंदर पानी से बाहर निकाल लिया। उस समय तक युवक की मौत हो चुकी थी। साथी की मौत पर दोस्त बेहद दुखी थे। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शव को लेने के लिए परिवार के लोग भी मथुरा मोरचरी पर आ गए।

आठ दिन पूर्व दुर्घटना में घायल हुए युवक की मौत

यूनिक समय, मथुरा। थाना बल्देव के गांव छौली के समीप आठ दिन पूर्व हुई दुर्घटना में घायल युवक की हॉस्पिटल में इलाज के दौरान मौत हो गई। नगला हरजीवन निवासी युवक लवकेश(20) पुरुषोत्तम गांव छौली के सामीप हुई दुर्घटना में गंभीर घायल हो गया था। परिवार के लोगों ने उसे हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान लवकेश की बीती रात मौत हो गई। लवकेश की मौत का पता लगने पर हॉस्पिटल पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

नौहझील में बिजली विभाग की कार्रवाई

बिजली चोरी करते पकड़े गए दस लोग

यूनिक समय, नौहझील। बिजली चोरी पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत विद्युत विभाग की टीम ने रात्रि में ताबड़तोड़ छापेमारी की। उपखंड अधिकारी और अवर अभियंता के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई से बिजली चोरों में हड़कंप मच गया। टीम ने नौहझील सहित क्षेत्र के विभिन्न गांवों में बिजली चोरी पकड़ी और 10 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। विद्युत विभाग की टीम ने मुखबिर की सूचना पर रात के सन्नाटे में क्षेत्र के कई स्थानों को निशाना बनाया। अचानक हुई इस छापेमारी से उन लोगों के होश उड़ गए, जो कटिया डालकर या मीटर से छेड़छाड़ कर बिजली चोरी कर रहे थे। इस छापेमारी को अंजाम देने वाली टीम में उपखंड अधिकारी, अवर अभियंता पेट्रोलमैन संतोष, लाइनमैन और विभाग का अन्य तकनीकी स्टाफ पूरी मुस्तैदी के साथ शामिल रहा। छापेमारी के बाद विद्युत विभाग के अधिकारियों ने साफ कर दिया है कि बिजली चोरी के खिलाफ यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

के.डी. मेडिकल कॉलेज हॉस्पीटल एंड रिसर्च सेण्टर
NABH PRE ACCREDITED
QCI QUALITY COUNCIL OF INDIA Creating an Ecosystem for Quality

DEPARTMENT OF RADIOLOGY
MRI CT SCAN ULTRASOUND DIGITAL XRAY
सबसे कम दाम में सबसे विश्वसनीय रिपोर्ट
अल्ट्रासाउंड फ्री
प्रत्येक रविवार
दिनांक 14, 21 एवं 28 जून, 2026
समय - प्रातः 9 से 1 बजे तक
16 SLICE CT SCAN MACHINE
1.5 TESLA MRI MACHINE
INVESTIGATION	OUR RATES	MARKET RATES	INVESTIGATION	OUR RATES	MARKET RATES
MRI BRAIN	2500	4500	CT ANGIOGRAPHY BRAIN	5500	8000
MRI WHOLE SPINE	7000	11000	COLUR DOPPLER	400/500	2000
MRI WHOLE ABDOMEN	5000	8000	ECHO CARDIOGRAPHY	1000	2000
MRI ANY JOINT	3500	4500	ULTRASOUND ABDOMEN	200	800
MRCP	4000	5000	DIGITAL XRAY	100	300
CT WHOLE ABDOMEN	3000	4500	MEMOGRAPHY	1500	3000
CT HEAD	1500	2000	OPG	400	600
CT ANGIOGRAPHY	7000	8000			
ओपीडी परामर्श फ्री
समय: प्रातः 9:00 बजे से सायं 5:00 बजे तक
HELPLINE NO. +91 7088105741
अकबरपुर, छाता, मथुरा 7055400400
प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना आयुष्मान भारत से इलाज की सुविधा
भारतीय रेलवे से सम्बद्ध
हेल्थ इंश्योरेन्स से कैशलेस इलाज की सुविधा
ECHS की सुविधा

राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष पहुंची सीएचसी, मरीजों से जाना हाल

रात में महिला गार्ड तैनात हो : बबीता सिंह

यूनिक समय, फरह। शुक्रवार को राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता सिंह चौहान कस्बा स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंची। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल में मरीजों के लिए किए जा रहे इंतजाम देखे और उनसे बात की। सीएचसी अधीक्षक को रात के समय अस्पताल में महिला सुरक्षाकर्मी तैनात करने के निर्देश दिए।

राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष ने ओपीडी, प्रसूति कक्ष, टीकाकरण कक्ष, पैथोलॉजी लैब, दवा वितरण केंद्र और साफ–सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया और मरीजों को दी जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। सभी व्यवस्थाएं मानकों के अनुरूप मिलने पर उन्होंने संतोष व्यक्त किया।

मरीजों से बात करतीं राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता सिंह चौहान।

महिला आयोग अध्यक्ष ने प्रसूति वार्ड में भर्ती गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं से भी बात की। भोजन की गुणवत्ता, डॉक्टरों के व्यवहार, मुफ्त दवा और जांच की सुविधाओं के बारे में भर्ती महिलाओं ने संतुष्टि जताई। निरीक्षण के दौरान अध्यक्ष ने दवा स्टोर रूम में दवाओं का स्टॉक रजिस्टर भी जांचा।

उन्होंने प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. रामवीर सिंह से स्टाफ की उपस्थिति, ड्यूटी रोस्टर, एंबुलेंस सेवा और हेल्प डेस्क की जानकारी ली।

अध्यक्ष ने इस दौरान डॉक्टर, स्टाफ नर्स, एएनएम और आशा कार्यकर्ताओं से भी बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने सीएचसी परिसर में सीसीटीवी, महिला हेल्प डेस्क, शिकायत पेटिका और रात्रि में महिला सुरक्षाकर्मी की तैनाती के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अस्पताल में आने वाली हर महिला खुद को सुरक्षित महसूस करे, यह सबकी जिम्मेदारी है।

इस मौके पर महिला आयोग अध्यक्ष ने कहा कि सरकार की मंशा है कि हर महिला को संस्थागत प्रसव की सुरक्षित सुविधा मिले। उन्होंने जोर दिया कि जच्चा–बच्चा दोनों का स्वास्थ्य सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वास्थ्य के प्रति सजग है।

आपकी आवाज बनेगा हमारा अभियान

जनहित से जुड़े मुद्दों को उजागर करने और आम जनता की समस्याओं को संबंधित विभागों तक पहुंचाने के लिए हम आपके सहयोग की अपेक्षा करते हैं। यदि आपके क्षेत्र में किसी भी विभाग से संबंधित कोई समस्या, अव्यवस्था, लापरवाही, भ्रष्टाचार, गंदगी, टूटी सड़क, जलभराव, बिजली–पानी की समस्या अथवा अन्य कोई जनहित का मामला है, तो उसकी जानकारी हमें भेजें। समस्या से संबंधित स्पष्ट फोटो या वीडियो के साथ संक्षिप्त विवरण उपलब्ध कराएं। आपकी ओर से प्राप्त जानकारी को प्रमुखता से प्रकाशित कर संबंधित अधिकारियों एवं विभागों तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा, ताकि समस्या के समाधान में मदद मिल सके।

आपकी जागरूकता, समाज के विकास की ताकत है।

–संपादक

टेलीफोन : 0565–3550761 मोबाइल : 8394983366

पुलिस ने दबोचे दो शराब तस्कर

हरियाणा से बाइक पर ला रहे थे दस पेटी देशी शराब

यूनिक समय, मथुरा। हरियाणा से बाइक के जरिये देशी शराब की तस्करी करने वाले दो तस्करो को पुलिस ने गिरफ्तार कर उनसे दस पेटी हरियाणा मार्का देशी शराब बरामद की है।

थाना प्रभारी कोसीकलां कमलेश सिंह ने बताया कि हरियाणा से शराब की तस्करी कर कोसीकलां और आस–पास के इलाकों में शराब तस्करों द्वारा बिक्री की जा रही है। शराब की तस्करी करने वाले तस्करों के बारे में आज एक सूचना मिली की हरियाणा से तस्करी की शराब लाई जा रही है।

इस सूचना पर पुलिस ने कोसी शाहपुर मार्ग पर पतराम की पुलिया पर चेकिंग शुरू कर दी। वहां से गुजरते बाइक सवार दो युवकों को पुलिस ने पकड़ा और उनकी तलाशी की। पुलिस को बाइक पर दस पेटी देशी शराब हरियाणा मार्का मिल गई। पुलिस ने दोनों दस्करों को अवैध शराब के साथ गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस की गिरफ्त में खड़े शराब तस्कर और बरामद माल।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्तों में शाहपुर कोसीकलां निवासी हरिओम और गणेश हैं। पुलिस ने दोनों के खिलाफ एनडीपीसी एक्ट में कार्रवाई की है। गिरफ्तार करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक कमलेश सिंह, उप निरीक्षक विनीत नेहरा, उप निरीक्षक राम रहीस यादव और पुलिस कर्मी शामिल है।

कांग्रेसियों ने राहुल गांधी का 56 वां जन्म दिवस मनाया

कांग्रेस कार्यालय सेठ वाड़ा पर राहुल गांधी का 56 वां जन्मदिवस मनाते हुए कार्यकर्ता।

यूनिक समय, मथुरा। लोकसभा नेता प्रतिपक्ष और रायबरेली के सांसद राहुल गाधी का 56 वां जन्म दिवस कांग्रेस कार्यालय सेठ बाड़ा पर जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में मिष्ठान वितरित कर मनाया गया।

इस अवसर पर कांग्रेस के जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर ने कहा कि सत्य, साहस, संवेदनशीलता और सामाजिक न्याय के प्रति राहुल गांधी की अटूट प्रतिबद्धता देश के करोड़ों युवाओं, किसानों, मजदूरों और वंचित वर्ग को निरंतर प्रेरित करती। राहुल गांधी ने सदैव मंहगाई, शिक्षा, स्वास्थय और बेरोजगारी जैसे मुद्दों को उठाकर लोकतंत्र को सशक्त बनाने का काम किया है।

जिला महामंत्री वैध मनोज गौड़ ने कहा कि राहुल गांधी ही एक ऐसे नेता है जो युवाओं के मुद्दों पर बोलते ही नहीं, बल्कि उनकी लड़ाई को कंधे से कंधा मिलाकर लड़ रहे हैं। आगे आने वाला वर्ष उनके जीवन में नई उपलब्धियां और सफलता लेकर आए।

पूर्व महानगर अध्यक्ष विक्रम बाल्मीकि ने कहा कि राहुल गांधी किसानों के अधिकारों, छात्र शक्ति और युवाओं के उज्जवल भविष्य, दलितों और वंचित वर्ग के अधिकारों की रक्षा का महत्वंपूण दायित्व निभा रहे हैं। इस मौके पर पूर्व अध्यक्ष उमेश शर्मा, बलवीर प्रधान, प्रेमशंकर शर्मा, रूपा लवानिया, गीता दिवाकर, ललित देवी, शाहिद कुरैशी, जिलानी, प्रवीण ठाकुर, पुनीत बघेल, अबरार कुरैशी, आशीष अग्रवाल, जिलानी कादरी आदि उपस्थित थे। संचालन जिला उपाध्यक्ष आदित्य तिवारी ने किया।

एनसीसी के संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में हुई मूल्यांकन गतिविधि

कार्यक्रम के दौरान मौजूद 11 यूपी बटालियन एनसीसी के अधिकारी आदि।

यूनिक समय, मथुरा। सामवेद गुरुकुलम बालिका सैनिक स्कूल वृदावन में आयोजित 11 यूपी बटालियन एनसीसी के संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के सप्तम दिवस को कैंप कमांडेंट के निर्देशन में मूल्यांकन और चयन से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन हुआ।

प्रातःकालीन सत्र में कैडेटों ने शारीरिक प्रशिक्षण, व्यायाम की परीक्षा, ड्रिल स्क्वाड टेस्ट, हथियार प्रशिक्षण में भाग लिया। अलीगढ़ मुख्यालय द्वारा चयनित थल सैनिक शिविर के कैडेटों को बाधा प्रशिक्षण, कनिष्ठ वर्ग फील्ड संकेत, मानचित्र अध्ययन और तंबू स्थापना का विशेष प्रशिक्षण प्रदान करते हुए सर्वश्रेष्ठ दल का गठन कराया गया।

दिवस का प्रमुख आकर्षण आपदा प्रबंधन- सुरक्षा जागरूकता प्रशिक्षण रहा, जिसका संचालन एएनओ कैप्टन गोविंद द्वारा किया गया। उन्होंने कैडेटों को प्राकृतिक- मानवजनित आपदाओं से बचाव, उनके प्रभावी प्रबंधन के संबंध में जानकारी प्रदान की। उन्होंने कैडेटों को बताया कि आपदा के समय घबराने के स्थान पर संयम बनाए रखना, समय पर सूचना देना, प्राथमिक उपचार की जानकारी होना अत्यंत आवश्यक है। कैडेटों को आपातकालीन सामग्री की किट तैयार रखने, स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पालन करने के लिए भी प्रेरित किया गया।

सायंकालीन सत्र में वॉलीबॉल प्रतियोगिता, सांस्कृतिक कार्यक्रम, रस्साकशी, निबंध लेखन, लाइन एरिया, फ्लैग एरिया प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर कैंप क्वार्टर मास्टर लेफ्टिनेंट राज कुमार, प्रशिक्षण अधिकारी हुकम सिंह, मीडिया प्रभारी लेफ्टिनेंट कपिल कौशिक, लेफ्टिनेंट अशोक कुमार, डॉ. हीरा रॉय, सीटीओ रुपाली ठाकरे, सूबेदार मेजर राजविंदर सिंह सहित समस्त जेसीओ और पीआई स्टाफ उपस्थित रहे।

छाता में ताजियों को लेकर हुई पीस कमेटी की बैठक

पीस कमेटी की बैठक को संबोधित करते कोतवाली प्रभारी उमेशचंद त्रिपाठी।

यूनिक समय, मथुरा। मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में कराने को लेकर छाता कोतवाली में पीस कमेटी की बैठक की गई। बैठक में नगर पंचायत छाता के चेयरमैन प्रतिनिधि फालगुन उर्फ कन्हा भैया, विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ इलाके के धर्मगुरू और संभ्रांत नागरिकों ने भाग लिया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक उमेशचंद त्रिपाठी ने आगामी 25 और 26 जून को निकाले जाने वाले ताजियों को जुलूस को लेकर कहा कि बिजली के झूलते तारों आदि को सही किा जाए। उन्होंने अफवाहों पर ध्यान न देने और सौहर्द बनाए रखने की अपील की। जुलूस के मार्ग पर सफाई और प्रकाश की व्यवस्था बेहतर कराने को कहा गया। इस मौके पर क्राइम इंस्पेक्टर विजेंद्र पाल राणा,रामजन्म गौतम,दिनेश कुमार, एचएम सुवनेश, एचएम मुकेश कुमार,मौहमद सऊद,जावेद,बबलू,उमेश पंडित याकूब, गफ्फार शाहिद, इकबाल हसन, रामबीर चौधरी के अलावा विद्युत विभाग के कर्मचारियों के अलावा बड़ी सख्या में हिदू-मुस्लिम समुदाय के लोग मौजूद रहे।

20 जून विश्व शरणार्थी दिवस पर सिंधी समाज का दर्द

कुछ उभरे, कुछ पनप नहीं पाए : किशोर इसरानी

यूनिक समय, मथुरा। देश की आजादी के बदले विभाजन की बलि चढ़े सिंधी समाज को जहां अपनी जन्मभूमि को खोने का जख्म सताता है, वहीं अपने ही देश में शरणार्थी होने का ताना दर्द देता है।

उक्त बातें विश्व शरणार्थी दिवस पर सिंधी जागरूक मंच के संस्थापक किशोर इसरानी ने कहीं।

उनका कहना है कि अपने ही देश में बेदखल हुए सिंधी समाज को आज भी अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है, जहां कुछ प्रतिशत अपनी मेहनत, कला, हुनर के बल पर उभरे, तो आज भी बड़ी संख्या में ऐसे सिंधी परिवार है, जिनके पास अपना खुद का मकान भी नही है, वह आज भी पनप नहीं आए हैं। किशोर इसरानी ने कहा कि सिंधी समाज ने अपने ही देश में शरणार्थी होने का दंश झेला था। हमारे बुजुर्ग अपने ही देश में बेगाने हो गए।

किशोर इसरानी

सुरेश मेठवानी

तरूण लखवानी

जिनका जन्म अखंड भारत के सिंध में हुआ, उनको अपने ही देश में शरणार्थी का ठप्पा मिला, जबकि सिंधी हिंदू किसी बाहरी देश से नहीं आये थे।

सिंधी जनरल पंचायत के अध्यक्ष नारायण दास लखवानी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामचंद्र खत्री, महामंत्री बसंत मंगलानी, वरिष्ठ मंत्री गुरूमुखदास गंगवानी ने भारत सरकार से मांग करते हुए कहा है कि हमारे ऊपर से शरणार्थी का लेबल हटाया जाए और आज भी जो किराए के मकान में रह रहे हैं उन्हें एक अपना घर मुहैया कराया जाए। वहीं जवाहर हाट प्रकरण को जल्द सुलझाया जाए।

पहली बार सबसे कम उम्र के बने लाड़ी लोहाणा सिंधी पंचायत के जिलाध्यक्ष सुरेश मेठवानी ने सिंध से विस्थापित हुए अपने पिता ओडरमल मेठवानी से मिली सांस्कृतिक विरासत को बनाए रखा है, वे कहते हैं कि बंटवारे में हमारे हिस्से कुछ नहीं आया,फिर भी हमने अपनी मेहनत के बल पर मुकाम पाया है।

सिंधी नवयुवक मंडल के अध्यक्ष तरूण लखवानी कहते हैं कि स्वतंत्रता दिवस की खुशी से पहले 14 अगस्त 1947 इतिहास की वह तारीख है, जिसने सिंधी समाज को कभी नहीं भूलने वाला दर्द दिया है।

डी.एल.एड. (बी.टी.सी.)
प्रशिक्षण–2026 हेतु ऑनलाइन आवेदन College code 040029
NCTE, SCERT एवं उत्तर प्रदेश सरकार से मान्यता प्राप्त
अल्पसंख्यक संस्थान में
सभी राज्य के अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं
द्विवर्षीय डी.एल.एड (बी.टी.सी) प्रशिक्षण 2026 हेतु
इच्छुक एवं अर्हय अभ्यर्थियों से www.geimathura.com पर ऑनलाइन आवेदन आमन्त्रित किये जाते हैं शीघ्र करें।
आवेदन प्रारम्भ 17 जून , 2026
गायत्री एजूकेशनल इंस्टीट्यूट
रसूलपुर, मथुरा (अल्पसंख्यक संस्थान)
8445685003, 7055322211

अवैध कॉलोनियों पर गरजा विप्रा का महाबली, निर्माण ध्वस्त

यूनिक समय, मथुरा। शुक्रवार को मथुरा विकास प्राधिकरण ने अनाधिकृत कॉलोनियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। विप्रा के महाबली ने सौंख रोड क्षेत्र में दो अवैध कॉलोनियों का ध्वस्तीकरण किया। पहली कॉलोनी विद्या इंडस्ट्रियल के नाम से अशोक पाइप फैक्ट्री के सामने लगभग 40 हजार वर्ग मीटर क्षेत्र में विकसित की जा रही थी, जिसके विरुद्ध वाद दर्ज किया गया था। इस मामले में 21 मई 2026 को ध्वस्तीकरण आदेश पारित किया गया था।

दूसरा मामला पंकज शर्मा आदि से जुड़ा है, जिसमें लगभग तीन हजार वर्ग मीटर भूमि पर सड़क और नाली बनाकर कॉलोनी विकसित की जा रही थी। इस पर 20 अप्रैल 2026 को ध्वस्तीकरण आदेश जारी किया गया था। समय सीमा के भीतर निर्माण नहीं हटाए जाने पर प्राधिकरण ने कार्रवाई की।

अवैध कालोनी में निर्माण ध्वस्त करता महाबली।

पुलिस बल की मौजूदगी में चला अभियान, दो कालोनियों पर कार्रवाई

आज उपाध्यक्ष के निर्देशन और सचिव के नेतृत्व में प्रवर्तन दल ने थाना हाईवे पुलिस के सहयोग से दोनों स्थलों पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई पूरी की। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी अवैध कॉलोनियों के खिलाफ इसी तरह की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

रिया पांडेय पहले प्रयास में बनीं चार्टर्ड अकाउंटेंट

बल्देव की बेटी ने बढ़ाया क्षेत्र का मान

यूनिक समय, बल्देव। कस्बा की प्रतिभाशाली छात्रा रिया पांडेय ने पहले ही प्रयास में आईसीएआई (इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया) की प्रतिष्ठित चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) फाइनल परीक्षा उत्तीर्ण कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी इस उल्लेखनीय सफलता से परिवार, रिश्तेदारों, शिक्षकों और कस्बावासियों में खुशी की लहर दौड़ गई है। सफलता की सूचना पर उन्हें बधाई देने वालों का तांता लग गया।

कस्बा के सोनदेव पांडेय की बेटी रिया पांडेय शुरू से ही मेधावी छात्रा रही हैं। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय माता–पिता, गुरुजनों और निरंतर कठिन परिश्रम को दिया है। रिया ने बताया कि सीए जैसी कठिन परीक्षा में सफलता प्राप्त करने के लिए उन्होंने नियमित रूप से प्रतिदिन 14 से 15 घंटे तक अध्ययन किया। पढ़ाई के दौरान उन्होंने मोबाइल फोन और अन्य अनावश्यक गतिविधियों से दूरी बनाए रखी, पूरी एकाग्रता के साथ अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित किया। रिया ने हाईस्कूल परीक्षा में 97 प्रतिशत, इंटरमीडिएट परीक्षा में 98 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया था। उन्होंने अपनी प्रारंभिक स्कूली शिक्षा बल्देव पब्लिक स्कूल से ग्रहण की। बचपन से ही उनकी मेहनत, अनुशासन और लगन उन्हें अन्य विद्यार्थियों से अलग पहचान दिलाती रही है।

रिया की सफलता पर परिजनों में उत्साह का माहौल है। पिता सोनदेव पांडेय ने बताया इसे वर्षों की मेहनत और समर्पण का परिणाम बताया। रिया पांडेय को राजाराम पांडेय (पूर्व चेयरमैन), धर्मेन्द्र पांडेय, गोकुलेश पांडेय, विष्णु शर्मा, सतेंद्र कुमार ,राजेश पांडेय,युवा समाजसेवी सुजीत वर्मा सहित अनेक लोगों ने शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

मथुरा रिफाइनरी में डिवाइन विजडम समर कैंप संपन्न

कार्यक्रम प्रस्तुत करते बच्चे।

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा रिफाइनरी ऑफिसर्स क्लब में ब्रह्माकुमारी के सहयोग से चल रहे तीन दिवसीय डिवाइन विजडम समर कैंप का समापन हुआ। कैंप में रिफाइनरी नगर के बच्चों ने भाग लेकर योग, प्राणायाम, हास्य योग और राजयोग मेडिटेशन जैसी गतिविधियों का अभ्यास किया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों के नैतिक मूल्यों, आत्मविश्वास और सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास को बढ़ावा देना था।

कैंप में केयर फॉर नेचर थीम पर फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता, ऑन–द–स्पॉट स्पीच, जीके क्विज, वैल्यू गेम्स और वेस्ट टू बेस्ट जैसी रोचक गतिविधियां हुईं। कार्यक्रम में बीके कृष्णा दीदी, आलोक कुमार, ऊषा, आरबी अग्रवाल, प्रमोद वर्मा और दीपा गर्ग सहित कई प्रशिक्षकों ने बच्चों को मार्गदर्शन दिया। समापन अवसर पर एचएस रुखियार, कौशलेंद्र कुमार, संदीप खरबंदा, चिराग नामदेव, मनोज, पूजा, मनोहर, सौरभ, दिया, शिखा, नवीन प्रकाश, अनीता महतो, मंजू, रनीता, राजनाथ, भावना, गरिमा, अन्नू और उमेश सहित सभी आयोजक- पदाधिकारी उपस्थित रहे। समापन पुरस्कार वितरण के साथ हुआ।

बीएसएसीईटी के दो छात्र जापान कंपनी में चयनित

छात्रों ने बढ़ाया संस्थान गौरव

यूनिक समय, मथुरा। बीएसए कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, मथुरा के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के दो छात्र मधुसूदन गौतम और ऋषभ मित्तल का चयन जापान की प्रतिष्ठित बहुराष्ट्रीय कंपनी याजाकी कॉर्पोरेशन शिजुओका में हुआ है। याजाको कॉर्पोरेशन विश्व की अग्रणी ऑटोमोबाइल पार्ट्स निर्माता कंपनियों में से एक है, जो वायर हार्नेस, इंस्ट्रूमेंट्स, कनेक्टर्स, टर्मिनल्स और अन्य ऑटोमोटिव कंपोनेंट्स के निर्माण में अग्रणी स्थान रखती है। कंपनी का मुख्यालय जापान में स्थित है, इसके संचालन को कर्मचारी विश्व के अनेक देशों में कार्यरत हैं।

संस्थान के चेयरमैन एडवोकेट उमाशंकर अग्रवाल ने चयनित छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बीएसएसीईटी के अनेक छात्र वर्तमान में देश और विदेश की प्रतिष्ठित कंपनियों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। संस्थान के विद्यार्थियों का अंतरराष्ट्रीय कंपनियों में चयन संस्थान की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, तकनीकी दक्षता एवं उद्योगोन्मुखी प्रशिक्षण का परिणाम है। सस्थान के वाइस चेयरमैन इंजीनियर नितिन मित्तल, निदेशक प्रो. श्याम सुन्दर अग्रवाल, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष दुष्यंत बंसल ने मधुसूदन गौतम और ऋषभ मित्तल की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

एडवोकेट उमाशंकर अग्रवाल।

केडी डेंटल कॉलेज के प्राध्यापक ने डिजाइन किया बच्चों का अनोखा टूथब्रश

अब टूथब्रश बताएगा, बच्चों के दांत हैं कितने साफ

यूनिक समय, मथुरा। बचपन से ही अच्छी मौखिक स्वच्छता को बढ़ावा देने, दांतों की सफाई के दौरान आराम, सहयोग और कार्यक्षमता को बेहतर बनाने के लिए केडी डेंटल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, मथुरा के पीडियाट्रिक और प्रिवेंटिव डेंटिस्ट्री विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राजीव कुमार सिंह ने माउथ मिरर वाले बच्चों के टूथब्रश का डिजाइन किया है। इस डिजाइन को भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय से स्वीकृति मिलने के साथ ही 10 जून को प्रमाण–पत्र भी जारी कर दिया गया।

डॉ. राजीव कुमार सिंह की इस उपलब्धि पर केडी. विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. रामकिशोर अग्रवाल, प्रो–चांसलर मनोज अग्रवाल, कुलपति डॉ. मनेष लाहौरी, केडी डेंटल कॉलेज एंड हॉस्पिटल की प्राचार्य डॉ. नवप्रीत कौर, कॉलेज के विभागाध्यक्षों डॉ. अजय नागपाल, डॉ. शैलेन्द्र सिंह चौहान, डॉ. सिद्धार्थ सिंह सिसोदिया, डॉ. सोनल, डॉ. विनय मोहन, डॉ. अभिषेक, डॉ. अनुज गौर, डॉ. राजीव, डॉ. प्रेरणा, डॉ. नेहा, डॉ. अनुश्री और प्रशासनिक अधिकारी नीरज छापड़िया आदि ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी।

कुलपति डॉ. मनेष लाहौरी और प्राचार्य डॉ. नवप्रीत कौर और पेटेंट प्रमाण–पत्र के साथ डॉ. राजीव कुमार सिंह।

कुलाधिपति डॉ. रामकिशोर अग्रवाल ने कहा कि मौखिक स्वच्छता की शुरुआत बचपन से ही होनी चाहिए। जब बच्चों के दांत निकलने शुरू हों, तभी से उन्हें दांत ब्रश करना सिखाना चाहिए। साथ ही, जैसे–जैसे वे बड़े होते हैं, दांतों को स्वस्थ रखने के लिए उन्हें अच्छी आदतों के बारे में बार–बार बताना चाहिए।

डॉ. राजीव कुमार सिंह के माउथ मिरर वाले बच्चों के टूथब्रश के डिजाइन का पेटेंट होना समूचे प्रदेश और देश के लिए गौरव की बात है।

कुलपति डॉ. मनेष लाहौरी ने कहा कि माउथ मिरर वाले बच्चों के टूथब्रश का पेटेंट ओरल केयर (मौखिक स्वास्थ्य) के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण और अभिनव आविष्कार है। केडी डेंटल कॉलेज की प्राचार्य डॉ. नवप्रीत कौर ने अच्छे- समसामयिक अनुसंधान के लिए डॉ. राजीव कुमार सिंह को बधाई दी और कहा कि इससे बच्चे और उनके माता–पिता आसानी से देख सकते हैं कि मुंह के पिछले दांत ठीक से साफ हुए हैं या नहीं।

अपने इस डिजाइन पर डॉ. राजीव कुमार सिंह का कहना है कि हमारा मकसद दांतों की सफाई के दौरान आराम, सहयोग और कार्यक्षमता को बेहतर बनाना और ओरल हाइजीन (मुख स्वच्छता) में सुधार करना है। डॉ. राजीव कुमार सिंह बताते हैं कि बच्चों के इस माउथ मिरर ब्रश से दांतों के बीच फंसे भोजन का शुरुआती चरण में ही पता चल जाएगा और फ्लोराइड युक्त पेस्ट की मदद से कैविटी को रोका जा सकेगा।

डॉ. राजीव कुमार सिंह के माउथ मिरर युक्त बच्चों के टूथब्रश का पेटेंट

मेले में आए 50, रोजगार मिला 21 को

रोजगार मेले में आई युवती का साक्षात्कार लेतीं सेवायोजन विभाग की सलाहकार।

यूनिक समय, मथुरा। शुक्रवार को जिला सेवायोजन कार्यालय में रोजगार मेला आयोजित हुआ। रोजगार पाने के लिए 50 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया, लेकिन चयनित केवल 21 ही हो सके।

जिला सेवायोजन कार्यालय में एक दिवसीय निःशुल्क रोजगार मिले का आयोजन हुआ, जिसमें अमेजॉन ,फ्लिपकार्ट और सीआईडी फूड द्वारा विभिन्न पदों पर भर्ती के लिए नियोजक के रूप में प्रतिभाग किया गया। रोजगार की इच्छा से आए अभ्यर्थियों का विभागीय पोर्टल पर पंजीकरण कराया गया। इसके बाद साक्षात्कार की प्रक्रिया प्रारंभ की गई। इस दौरान मेले में आए लगभग 50 अभ्यर्थियों में से 21 अभ्यर्थियों का अंतिम रूप से चयन किया गया।

राम मंदिर दान घोटाले की हो सीबीआई जांचः सौरभ गौड़

यूनिक समय, वृंदावन। परिक्रमा मार्ग स्थित भागवत मंदिरम गोपालखार में धर्म रक्षा संघ की धर्म संगोष्ठी आयोजित की गई। अध्यक्षता आचार्य बद्रीश महाराज ने की, जिसमें अयोध्या के राम मंदिर में भक्तों द्वारा दिए गए दान में कथित घोटाले पर गंभीर चर्चा हुई। धर्म रक्षा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सौरभ गौड़ ने आरोप लगाया कि मंदिर ट्रस्ट की छत्र-छाया में दान राशि और आभूषणों में अनियमितताएं हुई हैं। उन्होंने इस मामले की सीबीआई जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। कार्यक्रम में अन्य वक्ताओं ने भी ट्रस्ट के कुछ पदाधिकारियों और कर्मचारियों पर गंभीर सवाल उठाते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की आवश्यकता पर जोर दिया।

हुगली की लहरों पर योग का महासंगम

500 नावों पर होगा सामूहिक योग

यूनिक समय, नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर इस बार पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता एक अनोखे और ऐतिहासिक आयोजन का गवाह बनने जा रही है। शहर की जीवनरेखा मानी जाने वाली हुगली नदी के बीच सैकड़ों नावों पर हजारों लोग एक साथ योगाभ्यास करेंगे। इस अनूठे आयोजन का उद्देश्य केवल योग को बढ़ावा देना ही नहीं, बल्कि बंगाल की समृद्ध नदी संस्कृति और सांस्कृतिक विरासत को भी पूरी दुनिया के सामने प्रस्तुत करना है। आयोजन को लेकर प्रशासन और स्थानीय संस्थाओं ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। जानकारी के अनुसार, इस विशेष कार्यक्रम में 500 से अधिक नावों का इस्तेमाल किया जाएगा। इन नावों को विशेष रूप से सजाया जाएगा और उन्हें इस तरह व्यवस्थित किया जाएगा कि ऊपर से देखने पर वे अलग-अलग योग मुद्राओं की आकृतियां बनाती हुई दिखाई दें। यह दृश्य ड्रोन कैमरों के माध्यम से दुनिया भर के लोगों तक पहुंचाया जाएगा और इसके लिए खास तकनीकी

35 हजार साधक बनाएंगे नया इतिहास

व्यवस्था भी की गई है। आयोजकों का अनुमान है कि इस कार्यक्रम में करीब 35 हजार लोग भाग ले सकते हैं। यदि इतनी बड़ी संख्या में प्रतिभागी एक साथ नदी के बीच योगाभ्यास करते हैं, तो यह अपने आप में एक नया कीर्तिमान बन सकता है। कार्यक्रम का मुख्य केंद्र बाबूघाट के आसपास का क्षेत्र रहेगा, जहां सुबह से ही योग प्रेमियों, स्वयंसेवकों और पर्यटकों की भारी भीड़ जुटने की संभावना है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को यादगार बनाने के लिए शहर में कई अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। इनमें ध्यान दौड़, साइकिल रैली, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, योग कार्यशालाएं, कला प्रतियोगिताएं और जनजागरूकता अभियान शामिल हैं। शाम के समय भव्य ड्रोन शो भी आयोजित किया जाएगा, जिसमें योग, भारतीय संस्कृति और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े संदेश आकर्षक रोशनी और तकनीक के माध्यम से प्रदर्शित किए जाएंगे। आयोजकों का मानना है कि यह शो कार्यक्रम का सबसे बड़ा आकर्षण होगा। इस आयोजन में देश के कई प्रमुख अतिथियों और विशिष्ट व्यक्तियों के शामिल होने की संभावना है। प्रधानमंत्री सहित कई गणमान्य हस्तियों की मौजूदगी को देखते हुए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। हजारों पुलिसकर्मियों की तैनाती के साथ-साथ सीसीटीवी कैमरों, ड्रोन निगरानी और विशेष सुरक्षा टीमों को भी सक्रिय किया गया है। नदी क्षेत्र में नावों की आवाजाही पर भी विशेष निगरानी रखी जाएगी ताकि कार्यक्रम सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह का आयोजन योग के प्रति लोगों की रुचि बढ़ाने के साथ-साथ पर्यटन को भी नई पहचान देगा। हुगली नदी के बीच योगाभ्यास का यह दृश्य भारत की सांस्कृतिक विविधता, आध्यात्मिक परंपरा और आधुनिक आयोजन क्षमता का अनूठा उदाहरण बनेगा। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर कोलकाता का यह प्रयास न केवल देश, बल्कि दुनिया का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करेगा और योग को जन-जन तक पहुंचाने के अभियान को नई ऊर्जा देगा।

विवेकानंद के अनमोल विचार बदल देंगे सोच

यूनिक समय, नई दिल्ली। स्वामी विवेकानंद भारत के महान आध्यात्मिक गुरु, समाज सुधारक और युवाओं के सबसे बड़े प्रेरणास्रोत माने जाते हैं। उनके विचार आज भी लोगों को आत्मविश्वास, अनुशासन और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। उनका मानना था कि मजबूत इरादे और निरंतर प्रयास से कोई भी व्यक्ति अपने जीवन में सफलता हासिल कर सकता है। स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी 1863 को कोलकाता में हुआ था। उनका मूल नाम नरेंद्रनाथ दत्त था। उन्होंने भारतीय संस्कृति और वेदांत दर्शन को विश्व स्तर पर नई पहचान दिलाई। वर्ष 1893 में शिकागो में आयोजित विश्व धर्म संसद में दिया गया उनका ऐतिहासिक भाषण आज भी दुनिया भर में याद किया जाता है। स्वामी विवेकानंद का कहना था कि व्यक्ति को जीवनभर सीखते रहना चाहिए, क्योंकि अनुभव सबसे बड़ा शिक्षक होता है। उनके अनुसार जितना बड़ा संघर्ष होगा, सफलता भी उतनी ही शानदार होगी। वे युवाओं को आत्मविश्वास के साथ

अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने और असफलता से घबराने के बजाय उससे सीख लेने की प्रेरणा देते थे। उनका प्रसिद्ध विचार था, "हम वही बनते हैं, जैसा हम सोचते हैं।" इसलिए सकारात्मक सोच, अच्छे कर्म, विनम्रता, करुणा और जिज्ञासा को जीवन का आधार बनाना चाहिए। उनका मानना था कि जो चीज व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक या बौद्धिक रूप से कमजोर बनाती है, उसे त्याग देना चाहिए। आज के समय में भी स्वामी विवेकानंद के विचार उतने ही प्रासंगिक हैं। यदि उनके सिद्धांतों को जीवन में अपनाया जाए, तो व्यक्ति न केवल सफलता प्राप्त कर सकता है, बल्कि एक संतुलित, सार्थक और प्रेरणादायक जीवन भी जी सकता है।

जानें रोज दो चुटकी काली मिर्च खाने के फायदे

यूनिक समय, नई दिल्ली। बदलते मौसम में बार-बार सर्दी, जुकाम और खांसी की समस्या से परेशान रहने वाले लोगों के लिए काली मिर्च एक प्रभावी घरेलू उपाय मानी जाती है। आयुर्वेद के अनुसार काली मिर्च में मौजूद पाइपेरिन नामक तत्व रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने में मदद करता है। यही कारण है कि इसका इस्तेमाल लंबे समय से काढ़े, सूप और कई घरेलू नुस्खों में किया जाता रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि काली मिर्च पाचन तंत्र को मजबूत बनाने, गैस, अपच और पेट फूलने जैसी समस्याओं से राहत दिलाने में सहायक होती है। इसके एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण गले की खराश, छाती में जमे कफ और खांसी से राहत पहुंचाने में भी मददगार माने जाते हैं। इसके अलावा यह शरीर से विषैले तत्व बाहर निकालने और लिवर के

बेहतर कार्य में भी सहायक हो सकती है। हालांकि काली मिर्च की तासीर गर्म होती है, इसलिए इसका सेवन सीमित मात्रा में ही करना चाहिए। अधिक सेवन करने से शरीर में गर्मी, एसिडिटी, पेट में जलन और त्वचा संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। गर्मियों में एक से दो चुटकी काली मिर्च पर्याप्त मानी जाती है। यदि आपको अल्सर, गंभीर गैस्ट्रिक समस्या या कोई पुरानी बीमारी है, तो नियमित सेवन शुरू करने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें। सही मात्रा में सेवन करने पर काली मिर्च इम्यूनिटी बढ़ाने के साथ संपूर्ण स्वास्थ्य को भी लाभ पहुंचा सकती है।

लखनऊ की किमामी सेवइयों का स्वाद

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर आप पारंपरिक मिठाइयों के अलावा कुछ खास और शाही स्वाद चखना चाहते हैं, तो लखनऊ की मशहूर किमामी सेवइयां जरूर ट्राई करें। गाढ़ी चाशनी, खोया और ढेर सारे ड्राई फ्रूट्स से तैयार होने वाली यह मिठाई स्वाद में बेहद लाजवाब होती है। खास मौकों और त्योहारों पर इसे बड़े चाव से बनाया जाता है। किमामी सेवइयां बनाने के लिए बारीक बनारसी सेवइयां, चीनी, घी, दूध, खोया, काजू, बादाम, मखाना, सूखा नारियल, हरी इलायची और केवड़ा जल की जरूरत होती है। सबसे पहले सेवइयों को हल्का घी में भून लें। इसके बाद दूध, चीनी और इलायची की गाढ़ी चाशनी तैयार करें। फिर घी में भुने हुए मखाने, नारियल और अन्य ड्राई फ्रूट्स डालें। आखिर में भुनी हुई सेवइयां और खोया मिलाकर धीमी आंच पर अच्छी तरह पकाएं। मिश्रण गाढ़ा होने पर इसे लगभग एक घंटे तक सेट होने दें। तैयार किमामी सेवइयां स्वाद में इतनी रिच और लाजवाब होती हैं कि एक बार खाने के बाद इसका स्वाद लंबे समय तक याद रहता है।

'कभी बंदूक, तो कभी तोप'

13 दिन अकेले अफगानिस्तान घूमीं भारतीय ट्रैवल क्रिएटर

यूनिक समय, नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर 'मंकी इंक' के नाम से मशहूर भारतीय ट्रैवल क्रिएटर अंकिता कुमार ने हाल ही में अफगानिस्तान की 13 दिन की सोलो यात्रा की। इस दौरान उन्होंने वहां की प्राकृतिक सुंदरता, संस्कृति और खासकर महिलाओं के संघर्षपूर्ण जीवन को करीब से देखा। अपने अनुभव उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा किए, जिन्हें लोगों ने काफी सराहा। अंकिता ने बताया कि अफगानिस्तान में महिलाओं की जिंदगी कई तरह की पाबंदियों से घिरी हुई है। लड़कियों की पढ़ाई छठी कक्षा के बाद रुक जाती है और कई महिलाओं को नौकरी व सामाजिक जीवन से दूर रहना पड़ता है। आर्थिक तंगी के कारण कम उम्र में शादी जैसे मामले भी सामने आते हैं। उनके अनुसार, वहां महिलाओं के लिए रोजमर्रा की छोटी-छोटी चीजें भी आसान नहीं हैं। हालांकि इन चुनौतियों के बीच वहां की महिलाओं का साहस उन्हें सबसे अधिक प्रभावित कर गया। उन्होंने ऐसी महिलाओं से मुलाकात की, जो शिक्षा, कला और समाज सेवा के जरिए बदलाव लाने की कोशिश कर रही हैं। कोई ऑनलाइन शिक्षा उपलब्ध करा रही है तो कोई कला के माध्यम से महिलाओं को आगे बढ़ने का अवसर दे रही है। यात्रा के दौरान अंकिता ने अफगानिस्तान की सांस्कृतिक विरासत को भी करीब से देखा। उन्होंने पारंपरिक लकड़ी के 'कमरा-ए-फौरी' कैमरे को देखने का अपना बचपन का सपना भी पूरा किया। अंकिता के मुताबिक, अफगानिस्तान एक ऐसा देश है जहां एक ओर बर्फ से ढके पहाड़ और लोगों की मेहमाननवाजी है, तो दूसरी ओर संघर्ष और महिलाओं के दर्द की सच्चाई भी है। उन्होंने इस यात्रा को अपनी जिंदगी के सबसे यादगार अनुभवों में से एक बताया।

गर्मी में पौधों को रखें हरा-भरा

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मियों में तेज धूप और लू का असर घर की बालकनी और छत पर लगे पौधों पर भी पड़ता है। अधिक गर्मी के कारण गमलों की मिट्टी जल्दी सूख जाती है और पौधे मुरझाने लगते हैं। ऐसे में कुछ आसान घरेलू उपाय अपनाकर पौधों को हरा-भरा रखा जा सकता है। सबसे पहले गमले की मिट्टी पर सूखी पत्तियां, नारियल के छिलके या लकड़ी का बुरादा बिछाएं। इससे मिट्टी की नमी लंबे समय तक बनी रहती है। पौधों में हमेशा सुबह जल्दी या शाम को सूर्यास्त के बाद ही पानी दें। तेज धूप में पानी डालने से जड़ों को नुकसान हो सकता है। अगर पौधे दिनभर धूप में रहते हैं, तो उन्हें हल्की छांव वाली जगह पर रखें। यदि उन्हें हटाना संभव न हो, तो ग्रीन नेट लगाकर सीधी धूप से बचाएं। इन आसान उपायों से आपके पौधे भीषण गर्मी में भी लंबे समय तक स्वस्थ, हरे-भरे और ताजगी से भरपूर बने रहेंगे।

महंगे प्रोडक्ट्स बिगाड़ रहीं आपकी स्किन

यूनिक समय, नई दिल्ली। हर कोई साफ, बेदाग और ग्लोइंग स्किन चाहता है। इसके लिए लोग महंगे फेस वॉश, सीरम, मॉइश्चराइजर और कई तरह के स्किन केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन कई बार हजारों रुपये खर्च करने के बावजूद चेहरे पर न तो निखार आता है और न ही पिंपल्स, एक्ने या डलनेस की समस्या दूर होती है। ऐसे में लोग अक्सर यह सोचते हैं कि शायद उनके द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे प्रोडक्ट्स असर नहीं कर रहे हैं। हालांकि त्वचा विशेषज्ञों का कहना है कि समस्या हमेशा प्रोडक्ट्स में नहीं होती, बल्कि कई बार हमारी रोजमर्रा की कुछ गलत आदतें ही त्वचा को नुकसान पहुंचाती हैं। नोएडा स्थित स्किनफिनिटी डर्मी की फाउंडर, डर्मेटोलॉजिस्ट और फेशियल लॉन्जिविटी व स्किन इंटीग्रिटी स्पेशलिस्ट डॉ. इशिता जौहरी के अनुसार, स्वस्थ और चमकदार त्वचा के लिए केवल महंगे प्रोडक्ट्स ही काफी

नहीं हैं। सही स्किन केयर रूटीन, साफ-सफाई और अच्छी जीवनशैली भी उतनी ही जरूरी है। डॉक्टर के मुताबिक, सबसे बड़ी गलती गर्म पानी से चेहरा धोना है। गर्म पानी त्वचा के प्राकृतिक तेल को खत्म कर देता है, जिससे स्किन बैरियर कमजोर हो जाता है और त्वचा रूखी, संवेदनशील तथा बेजान दिखाई देने लगती है। चेहरे को हमेशा सामान्य या हल्के ठंडे पानी से साफ करना बेहतर माना जाता है। इसके अलावा बिना हाथ धोए बार-बार चेहरे को छूने की आदत भी त्वचा के लिए नुकसानदायक है। हाथों पर मौजूद

डॉक्टर की सलाह और अपनाएं सही स्किन केयर रूटीन

धूल, तेल और बैक्टीरिया सीधे चेहरे पर पहुंच जाते हैं, जिससे मुंहासे, संक्रमण और जलन की समस्या बढ़ सकती है। यदि चेहरे पर पहले से ही पिंपल्स या एक्ने हैं, तो उन्हें बार-बार छूना, दबाना या फोड़ना नहीं चाहिए। इससे सूजन बढ़ने के साथ-साथ स्थायी दाग पड़ने का खतरा भी रहता है। अच्छी नींद भी त्वचा की सेहत के लिए बेहद जरूरी है। यदि आप रोजाना 7 से 8 घंटे की नींद नहीं लेते हैं, तो त्वचा की रिपेयर प्रक्रिया प्रभावित होती है। इसका असर डार्क सर्कल, सूजन, डलनेस और समय से पहले झुर्रियों के रूप में दिखाई दे सकता है। इसलिए पर्याप्त नींद लेना ग्लोइंग स्किन के लिए आवश्यक माना जाता है। रात में सोने से पहले मेकअप हटाना और चेहरे की अच्छी तरह सफाई करना भी जरूरी है। मेकअप, धूल और प्रदूषण के कण यदि त्वचा पर रह जाएं, तो रोमछिद्र बंद हो सकते हैं, जिससे पिंपल्स और ब्लैकहेड्स की समस्या बढ़ सकती है। साथ ही मोबाइल फोन, तकिए के कवर, मेकअप ब्रश और चेहरे के तौलिए जैसी चीजों की नियमित सफाई भी जरूरी है, क्योंकि इन पर जमा बैक्टीरिया त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि आप सही स्किन केयर प्रोडक्ट्स के साथ संतुलित आहार, पर्याप्त पानी, अच्छी नींद और साफ-सफाई की आदतों को अपनाते हैं, तो त्वचा का प्राकृतिक निखार धीरे-धीरे वापस आ सकता है। स्वस्थ और चमकदार त्वचा के लिए महंगे प्रोडक्ट्स से ज्यादा जरूरी है कि आप अपनी दैनिक आदतों में सकारात्मक बदलाव लाएं।

गैस लीक होते समय न करें ये गलती

यूनिक समय, नई दिल्ली। एलपीजी गैस सिलेंडर आज लगभग हर घर की जरूरत बन चुका है, लेकिन इसका सुरक्षित उपयोग करना बेहद जरूरी है। गैस रिसाव की स्थिति में थोड़ी-सी लापरवाही भी आग या विस्फोट जैसी गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकती है। हाल के वर्षों में गैस लीक से जुड़े कई हादसों में लोगों के झुलसने और जान-माल के नुकसान की घटनाएं सामने आई हैं। ऐसे में हर व्यक्ति को यह पता होना चाहिए कि गैस लीक होने पर सबसे पहले क्या करना है और किन गलतियों से बचना है। यदि घर में गैस की तेज गंध महसूस हो तो सबसे पहले बिना घबराए सिलेंडर का रेगुलेटर तुरंत बंद करें। इसके बाद घर की सभी खिड़कियां और दरवाजे खोल दें, ताकि गैस तेजी से बाहर निकल सके और कमरे में उसका दबाव कम हो जाए। गैस पूरी तरह बाहर निकलने तक किसी भी तरह की चिंगारी पैदा होने से बचें। विशेषज्ञों के अनुसार, गैस रिसाव के दौरान बिजली के स्विच ऑन या ऑफ नहीं करने चाहिए। पंखा, एग्जॉस्ट फैन, लाइट, डोरबेल या किसी भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण का इस्तेमाल करने से स्पार्क पैदा हो सकता है, जिससे आग लगने का खतरा बढ़ जाता है। इसी तरह माचिस, लाइटर या मोमबत्ती जलाकर गैस की जांच करने की कोशिश भी कभी नहीं करनी चाहिए। यदि गैस का रिसाव अधिक हो रहा हो तो तुरंत सभी लोगों को सुरक्षित स्थान पर ले जाएं और गैस एजेंसी या आपातकालीन सेवा 112 पर संपर्क करें। साथ ही गैस पाइप, रेगुलेटर और सिलेंडर की समय-समय पर जांच कराते रहें। यदि पाइप पुराना या क्षतिग्रस्त दिखाई दे तो उसे तुरंत बदलवा दें। थोड़ी-सी सावधानी, सही जानकारी और समय पर उठाया गया कदम न केवल बड़े हादसे को टाल सकता है, बल्कि पूरे परिवार की सुरक्षा भी सुनिश्चित कर सकता है।

सुविचार

जो बीत गया उसे सोचकर नहीं, जो आने वाला है उसे संवारकर जीना चाहिए।

कल का पंचांग

तिथि	षष्ठी	05:00-03:46 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	मघा	10:06-09:25 तक	माह	ज्येष्ठ
सूर्योदय		5:28 AM	चन्द्रोदय	10:48 AM
सूर्यास्त		7:12 PM	चंद्रास्त	11:37 PM
सूर्य राशि		मिथुन राशि	चंद्र	सिंह राशि
शुभ मुहूर्त		12:20PM -02:03 PM	ब्रहम् मुहूर्त	03:51-04:39
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		08:54 AM: 10:37 AM	वार	शनिवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेष: कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। पुराने रुके काम पूरे होंगे। परिवार का सहयोग मिलेगा, खर्च नियंत्रित रखें।

वृषभ: आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। निवेश लाभ दे सकता है। रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी, स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

मिथुन: नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। आत्मविश्वास बढ़ेगा। यात्रा के योग हैं, विवादों से दूर रहें।

कर्क: मन प्रसन्न रहेगा। नौकरी और व्यवसाय में प्रगति होगी। परिवार के साथ सुखद समय बिताएंगे।

सिंह: मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिलेगा। सम्मान बढ़ेगा। किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से लाभदायक मुलाकात होगी।

कन्या: योजनाएं सफल होंगी। विद्यार्थियों को शुभ समाचार मिल सकता है। स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरतें।

तुला: आर्थिक लाभ के संकेत हैं। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। नई शुरुआत के लिए दिन अनुकूल।

वृश्चिक: कार्यक्षेत्र में चुनौतियां आएंगी, लेकिन धैर्य से सफलता मिलेगी। मित्रों का सहयोग मनोबल बढ़ाएगा।

धनु: भाग्य का साथ मिलेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। करियर से जुड़ी खुशखबरी मिल सकती है।

मकर: खर्च बढ़ सकते हैं। सोच-समझकर निर्णय लें। पारिवारिक मामलों में संयम और संतुलन बनाए रखें।

कुंभ: व्यापार में लाभ होगा। नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

मीन: रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। प्रेम संबंध मजबूत होंगे। आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें।

कर्मों का हिसाब रखते हैं न्याय के देव शनिदेव

दान और सेवा से मिलती कृपा

यूनिक समय, मथुरा। हिंदू धर्म में शनिदेव को न्याय और कर्मफल का देवता माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार वे प्रत्येक व्यक्ति को उसके कर्मों के अनुरूप फल प्रदान करते हैं। यही कारण है कि शनिदेव को लेकर लोगों के मन में श्रद्धा के साथ-साथ विशेष सम्मान भी देखने को मिलता है। माना जाता है कि शनि किसी के साथ पक्षपात नहीं करते, बल्कि अच्छे कर्म करने वालों को शुभ फल और बुरे कर्म करने वालों को दंड देते हैं।

पौराणिक कथाओं के अनुसार शनिदेव सूर्यदेव और छाया के पुत्र हैं। कहा जाता है कि जन्म के बाद उनके श्याम वर्ण को देखकर सूर्यदेव ने संदेह व्यक्त किया, जिससे माता छाया दुखी हो गईं। बाद में शनिदेव ने कठोर तपस्या कर भगवान शिव को प्रसन्न किया। उनकी भक्ति से प्रभावित होकर शिव ने उन्हें नवग्रहों में महत्वपूर्ण स्थान प्रदान किया और संसार में न्याय के देवता के रूप में प्रतिष्ठित होने का वरदान दिया।

धार्मिक ग्रंथों में शनिदेव को कर्मफलदाता भी कहा गया है। मान्यता है कि प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में शनि की साढ़ेसाती और ढैय्या का प्रभाव अवश्य आता है। साढ़ेसाती का समय साढ़े सात वर्ष और ढैय्या का समय ढाई वर्ष माना जाता है। इस दौरान व्यक्ति को अपने कर्मों के अनुसार परिणाम प्राप्त होते हैं। जो लोग सत्य, सेवा और सदाचार के मार्ग पर चलते हैं, उन्हें शनिदेव का आशीर्वाद मिलता है, जबकि अन्याय और छल करने वालों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

पौराणिक कथाओं में उल्लेख मिलता है कि शनि की दृष्टि से राजा और साधारण व्यक्ति सभी प्रभावित होते हैं। यही कारण है कि उन्हें निष्पक्ष न्याय का प्रतीक माना जाता है। शनिवार के दिन व्रत रखकर श्रद्धापूर्वक शनि पूजा करना शुभ माना जाता है।

शनिदेव को प्रसन्न करने के उपाय

साढ़ेसाती और ढैय्या का विशेष महत्व

गरीबों, जरूरतमंदों और रोगियों की सहायता करने से भी शनिदेव प्रसन्न होते हैं। काला तिल, उड़द, तेल, कंबल तथा जूतों का दान करना लाभकारी माना गया है।

इसके अलावा शनि स्तोत्र का पाठ और छाया दान करने की परंपरा भी प्रचलित है। धार्मिक मान्यता है कि इन उपायों से शनि की कृपा प्राप्त होती है और जीवन की बाधाएं कम होती हैं।

अंतिम समय में क्यों दिया जाता तुलसी और गंगाजल

यूनिक समय, मथुरा। हिंदू धर्म में जीवन के अंतिम क्षणों में व्यक्ति को तुलसी दल और गंगाजल देने की परंपरा सदियों पुरानी है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह केवल एक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मा की शांति और मोक्ष की कामना से जुड़ा महत्वपूर्ण संस्कार माना जाता है। धार्मिक ग्रंथों में वर्णन मिलता है कि तुलसी भगवान विष्णु को अत्यंत प्रिय है। मान्यता है कि मृत्यु के समय तुलसी का स्पर्श मिलने से आत्मा को ईश्वर की कृपा प्राप्त होती है और उसकी यात्रा सहज बनती है। वहीं गंगाजल को पवित्रता और आध्यात्मिक शुद्धि का प्रतीक माना गया है। गरुड़ पुराण के अनुसार अंतिम समय में गंगाजल की कुछ बूंदें ग्रहण करने से व्यक्ति के पापों का क्षय होता है और आत्मा को सांसारिक बंधनों से मुक्ति मिलने की कामना की जाती है। इसी कारण कई परिवार धार्मिक कार्यों के लिए घर में गंगाजल सुरक्षित रखते हैं। धर्माचार्यों का मानना है कि यह परंपरा केवल आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि परिजनों के प्रेम, सम्मान और भावनात्मक जुड़ाव का भी प्रतीक है। अंतिम क्षणों में तुलसी और गंगाजल अर्पित कर परिवारजन अपने प्रियजन के लिए मंगल कामना करते हैं।

रक्षा सूत्र बांधने का क्या है सही नियम?

तीन फेरों से मिलती दिव्य रक्षा

यूनिक समय, मथुरा। हिंदू धर्म में पूजा, यज्ञ, हवन और अन्य मांगलिक कार्यों के दौरान हाथ में रक्षा सूत्र या कलावा बांधने की परंपरा है। इसे शुभता, सुरक्षा और ईश्वर की कृपा का प्रतीक माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार रक्षा सूत्र व्यक्ति को नकारात्मक शक्तियों से बचाने और मंगलकारी ऊर्जा प्रदान करने का कार्य करता है।

पंडितों और पुरोहितों के अनुसार रक्षा सूत्र सामान्यतः हाथ में 3 या 5 बार लपेटकर बांधा जाता है। तीन बार लपेटने का संबंध त्रिदेव ब्रह्मा, विष्णु और महेश तथा त्रिशक्तियों महालक्ष्मी, महासरस्वती और महाकाली से माना जाता है। यह दिव्य शक्तियों की कृपा और संरक्षण का प्रतीक है।

वहीं रक्षा सूत्र को 5 बार लपेटने का संबंध पंचतत्व-पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश-से जोड़ा जाता है। धार्मिक दृष्टि से यह शरीर और प्रकृति के संतुलन का संकेत माना जाता है। शास्त्रीय मान्यताओं के अनुसार पुरुषों और अविवाहित युवतियों के दाहिने हाथ में, जबकि विवाहित महिलाओं के बाएं हाथ में रक्षा सूत्र बांधना शुभ माना गया है। रक्षा सूत्र बांधते समय मंत्रोच्चार भी किया जाता है।

इन पांच तिथियों पर नहीं बनती घर में रोटी

यूनिक समय, मथुरा। सनातन परंपरा में भोजन को केवल आहार नहीं, बल्कि एक पवित्र कर्म माना गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कुछ विशेष तिथियों पर खानपान में संयम रखने और व्रत-उपवास करने की परंपरा है। इन दिनों घरों में सामान्य भोजन की बजाय फलाहार या सात्विक आहार को प्राथमिकता दी जाती है। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार एकादशी, महाशिवरात्रि, अमावस्या, श्राद्ध पक्ष और पूर्णिमा ऐसी प्रमुख तिथियां हैं, जब कई लोग रोटी बनाने से परहेज करते हैं। एकादशी भगवान विष्णु और महाशिवरात्रि भगवान शिव की आराधना का दिन माना जाता है, इसलिए श्रद्धालु व्रत रखकर फलाहार करते हैं। अमावस्या और श्राद्ध पक्ष पितरों के स्मरण से जुड़े होते हैं। इन दिनों सादगीपूर्ण और सात्विक भोजन का महत्व बताया गया है। वहीं पूर्णिमा पर पूजा-पाठ और आध्यात्मिक साधना को विशेष महत्व दिया जाता है।

व्रत और साधना को प्राथमिकता

धार्मिक मान्यता है कि इन तिथियों पर संयमित जीवनशैली अपनाने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

ऐसी बनाएं दीपक की बाती, देर तक जलेगी लौ

यूनिक समय, मथुरा। पूजा-पाठ में दीपक जलाने का विशेष महत्व माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि दीपक की उज्ज्वल लौ सकारात्मक ऊर्जा, सुख-समृद्धि और ईश्वर की कृपा का प्रतीक होती है। लेकिन कई बार दीपक की बाती सही तरीके से न बनने के कारण वह जल्दी बुझ जाती है या उसकी लौ मंद पड़ जाती है। ऐसे में पूजा का आनंद भी प्रभावित होता है। यदि बाती सही विधि से बनाई जाए तो दीपक लंबे समय तक खिला-खिला जलता है।

धार्मिक परंपराओं में मुख्य रूप से दो प्रकार की बातियों का उपयोग किया जाता है। घी के दीपक के लिए गोल बाती और तेल के दीपक के लिए लंबी बाती बनाई जाती है। दोनों की बनावट और उपयोग अलग-अलग होते हैं।

घी के दीपक के लिए शुद्ध कपास या कच्चे सूत की रुई का प्रयोग करना बेहतर माना जाता है। रुई को हल्के हाथों से गोल आकार दें और ऊपर की ओर एक छोटी नुकीली चोंच बना लें। इस चोंच पर थोड़ा सा कपूर चूर्ण या कच्चा दूध लगाने से बाती की नोक मजबूत हो जाती है और लौ सुंदर तरीके से जलती है। इसके बाद बाती को शुद्ध घी में अच्छी तरह डुबोकर दीपक में स्थापित करें।

घी-तेल के दीपक की अलग बाती

छोटी सावधानी से देर तक लौ

वहीं तेल के दीपक के लिए लंबी बाती उपयुक्त मानी जाती है। रुई को लंबा आकार देते समय ध्यान रखें कि उसे अधिक कसकर न मोड़ें। यदि बाती बहुत टाइट होगी तो तेल ऊपर तक नहीं पहुंच पाएगा और दीपक बीच में ही बुझ सकता है। दोनों सिरों को हल्का नुकीला रखने से बाती आसानी से जलती है और लौ स्थिर रहती है।

विशेषज्ञों के अनुसार दीपक जलाने से पहले मिट्टी के दीपक को कुछ समय पानी में भिगोकर सुखा लेना चाहिए। इससे दीपक अधिक तेल नहीं सोखता और लौ देर तक जलती रहती है। साथ ही बाती को पहले से घी या तेल में भिगो देने से वह पूरी तरह भीग जाती है और आसानी से प्रज्वलित होती है। धार्मिक मान्यता है कि श्रद्धा और विधि-विधान से जलाया गया दीपक घर में सुख, शांति और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। इसलिए दीपक की बाती बनाते समय छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखना लाभकारी माना जाता है।

सम्पादकीय

मासूम बचपन पर सौंदर्य बाजार का बढ़ता दबाव

बचपन कभी मिट्टी में खेलते, बारिश में भीगते और सपनों में खोए रहने का नाम था। आज वही बचपन आईने के सामने खड़ा होकर अपने चेहरे, रंग और रूप का आकलन करने लगा है। स्कूल जाने वाले बच्चे भी लिपस्टिक, फेस क्रीम, ब्लशर और अन्य सौंदर्य प्रसाधनों का इस्तेमाल करने लगे हैं। यह बदलाव केवल एक फैशन नहीं, बल्कि समाज में गहराती एक चिंताजनक प्रवृत्ति का संकेत है।

केरल में शुरू किया गया "लिपस्टिक फ्री स्कूल" अभियान इसी चिंता से उपजा एक सकारात्मक प्रयास है। इसका उद्देश्य बच्चों को कृत्रिम सौंदर्य की दौड़ से दूर रखना और उन्हें उनकी स्वाभाविक पहचान का महत्व समझाना है। वास्तव में बचपन आत्मविश्वास, जिज्ञासा और व्यक्तित्व निर्माण का समय होता है, न कि बाहरी सुंदरता के मानकों में खुद को ढालने का।

पवन गौतम
संपादक

सोशल मीडिया, विज्ञापन और मनोरंजन जगत ने सौंदर्य की ऐसी परिभाषा गढ़ दी है, जिसमें आकर्षक दिखना ही सफलता का पर्याय माना जाने लगा है। फिल्टर और मेकअप से सजे चेहरों की दुनिया में बच्चे भी यह मानने लगे हैं कि सुंदर दिखना जरूरी है, चाहे इसके लिए अपनी स्वाभाविकता ही क्यों न खोनी पड़े। यह सोच धीरे–धीरे उनके आत्मविश्वास और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती है।

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

चिंता का दूसरा पहलू स्वास्थ्य से जुड़ा है। कम उम्र में सौंदर्य प्रसाधनों का उपयोग त्वचा संबंधी समस्याओं, एलर्जी और हार्मोनल असंतुलन का कारण बन सकता है। बच्चों की संवेदनशील त्वचा रासायनिक उत्पादों के दुष्प्रभावों को अधिक तेजी से झेलती है। इसलिए यह केवल सौंदर्य का नहीं, स्वास्थ्य का भी विषय है।

हालांकि समाधान केवल कॉस्मेटिक उत्पादों पर रोक लगाने में नहीं है। जरूरत उस मानसिकता को बदलने की है जो व्यक्ति का मूल्य उसके रंग, चेहरे या बाहरी रूप से तय करती है। बच्चों को यह समझाना होगा कि उनकी असली पहचान उनके संस्कार, प्रतिभा, व्यवहार और मेहनत से बनती है।

समाज, परिवार और विद्यालय यदि मिलकर यह संदेश दें कि हर बच्चा अपनी विशिष्टता में सुंदर है, तो कृत्रिम सौंदर्य की यह अंधी दौड़ स्वतः कमजोर पड़ जाएगी। बचपन को बाजार का उपभोक्ता नहीं, भविष्य का जिम्मेदार नागरिक बनाने की आवश्यकता है। यही समय की सबसे बड़ी मांग है।

नजरिया

हास्य की आड़ में फूहड़ता समाज के लिए गंभीर चुनौती

बोध प्रकाश सगुणी

हंसना मनुष्य की स्वाभाविक प्रवृत्ति है। हास्य जीवन की कठिनाइयों को हल्का करता है, तनाव को कम करता है और समाज को आईना दिखाने का काम भी करता है। यही कारण है कि हर सभ्यता और हर दौर में हास्य और व्यंग्य को विशेष महत्व मिला है। लेकिन जब हास्य अपनी मूल भावना से भटककर फूहड़ता, अश्लीलता और अपमान का माध्यम बनने लगे, तब वह मनोरंजन नहीं बल्कि सामाजिक गिरावट का संकेत बन जाता है। आज स्टैंडअप कॉमेडी को लेकर चल रही बहस इसी चिंता का परिणाम है।

पिछले एक दशक में भारत में स्टैंडअप कॉमेडी का तेजी से विस्तार हुआ है। डिजिटल प्लेटफॉर्म, सोशल मीडिया और ओटीटी माध्यमों ने अनेक नए कलाकारों को पहचान दिलाई है। यह लोकतांत्रिक समाज की एक सकारात्मक उपलब्धि भी है, क्योंकि अब अभिव्यक्ति के अवसर सीमित नहीं रह गए हैं। युवा कलाकार अपनी बात लाखों लोगों तक पहुंचा सकते हैं। कई कॉमेडियन सामाजिक विसंगतियों, राजनीतिक विरोधाभासों, नौकरशाही की जटिलताओं और आम आदमी की परेशानियों पर प्रभावशाली व्यंग्य प्रस्तुत करते हैं। उनकी प्रस्तुतियां केवल हंसाती नहीं, बल्कि सोचने पर भी मजबूर करती हैं।

समस्या तब शुरू होती है जब कुछ लोग हास्य को कला नहीं, बल्कि लोकप्रियता हासिल करने का आसान हथियार मान लेते हैं। वे मानते हैं कि जितना विवाद होगा, उतनी चर्चा होगी और जितनी चर्चा होगी, उतनी लोकप्रियता मिलेगी। इस सोच ने कॉमेडी के क्षेत्र में एक खतरनाक प्रवृत्ति को जन्म दिया है। अब कई मंचों पर चुटकुलों की जगह गाली–गलौज, सामाजिक समूहों का उपहास, धार्मिक भावनाओं पर कटाक्ष और व्यक्तिगत अपमान को हास्य का नाम देकर परोसा जा रहा है। दरअसल, आज के डिजिटल युग में विवाद स्वयं एक बड़ा विपणन उपकरण बन चुका है। किसी कलाकार ने विवादित टिप्पणी की, सोशल मीडिया पर उसका वीडियो वायरल हुआ, विरोध हुआ, बहस छिड़ी और देखते ही देखते उसकी लोकप्रियता कई गुना बढ़ गई। कई बार कानूनी कार्रवाई भी होती है, लेकिन वह भी चर्चा का नया अवसर बन जाती है। परिणाम यह होता है कि कुछ कलाकारों को लगने लगता है कि प्रतिभा से अधिक महत्वपूर्ण विवाद पैदा करना है। यही सोच कॉमेडी को उसके वास्तविक उद्देश्य से दूर ले जा रही है। हास्य और अश्लीलता के बीच का अंतर समझना आवश्यक है। हास्य वह है जो व्यक्ति को आनंद दे, सोचने पर मजबूर करे और समाज की विसंगतियों को

रचनात्मक ढंग से सामने लाए। इसके विपरीत अश्लीलता और फूहड़ता केवल क्षणिक उत्तेजना पैदा करती है। उसमें न तो कोई बौद्धिक गहराई होती है और न ही सामाजिक संदेश। दुर्भाग्य से आज कुछ लोग इसी फूहड़ता को आधुनिकता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का नाम देकर प्रस्तुत करते हैं। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र की आधारशिला है, लेकिन हर स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी भी जुड़ी होती है। यदि कोई व्यक्ति अपनी लोकप्रियता बढ़ाने के लिए किसी समुदाय, व्यक्ति या सामाजिक समूह का अपमान करता है, तो उसे केवल हास्य का अधिकार कहकर उचित नहीं ठहराया जा सकता। शब्दों की शक्ति किसी हथियार से कम नहीं होती। एक कटु वाक्य वर्षों तक लोगों के मन को आहत कर सकता है। इसलिए भाषा की मर्यादा और संवेदनशीलता का ध्यान रखना प्रत्येक सार्वजनिक व्यक्तित्व का दायित्व है। वर्तमान समय में युवाओं पर सोशल मीडिया का प्रभाव अत्यधिक बढ़ गया है। वे जिन कलाकारों को देखते हैं, उनसे प्रभावित भी होते हैं। यदि लोकप्रियता का रास्ता केवल गाली–गलौज, अपमान और विवाद के माध्यम से दिखाया जाएगा तो नई पीढ़ी के सामने गलत उदाहरण स्थापित होगा। युवा यह मानने लगेंगे कि सफलता के लिए शालीनता, अध्ययन, संवेदनशीलता और प्रतिभा की नहीं, बल्कि सनसनी पैदा करने की आवश्यकता है। यह प्रवृत्ति समाज के सांस्कृतिक स्तर को कमजोर कर सकती है।

यहां दर्शकों की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। बाजार वही उत्पाद प्रस्तुत करता है जिसकी मांग होती है। यदि लोग स्तरहीन हास्य को लाखों बार देखेंगे, साझा करेंगे और उसका उत्साहवर्धन करेंगे, तो ऐसी सामग्री का उत्पादन बढ़ना स्वाभाविक है। दूसरी ओर यदि दर्शक सार्थक व्यंग्य और स्वस्थ हास्य को प्रोत्साहित करेंगे तो कलाकार भी उसी दिशा में आगे बढ़ेंगे। इसलिए केवल कलाकारों को दोष देना पर्याप्त नहीं है। समाज को भी यह तय करना होगा कि वह किस प्रकार के मनोरंजन को स्वीकार करना चाहता है।

भारतीय साहित्य और हास्य–व्यंग्य की परंपरा इस संदर्भ में प्रेरणा देती है। हमारे यहां अनेक ऐसे रचनाकार हुए जिन्होंने बिना किसी अश्लीलता के समाज को गहरे स्तर पर प्रभावित किया। हरिशंकर परसाई ने अपनी लेखनी से व्यवस्था की कमजोरियों पर तीखे प्रहार किए, लेकिन उनकी भाषा में मर्यादा बनी रही। काका हाथरसी ने हास्य को जन–जन तक पहुंचाया, लेकिन कभी स्तरहीनता का सहारा नहीं लिया। शरद जोशी ने नौकरशाही, राजनीति और सामाजिक विसंगतियों पर ऐसा व्यंग्य लिखा जो आज भी उतना ही प्रासंगिक लगता है। शरद जोशी की प्रसिद्ध रचनाओं में व्यवस्था पर करारा व्यंग्य देखने को मिलता है। उनके लेखों की विशेषता यह थी कि वे किसी को अपमानित किए बिना व्यवस्था की खामियों को उजागर कर देते थे। पाठक हंसता भी था और सोचता भी था। यही तो सच्चे व्यंग्य की पहचान है। व्यंग्य का उद्देश्य किसी को नीचा दिखाना नहीं, बल्कि समाज को बेहतर बनाने की प्रेरणा देना होता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि कॉमेडी और व्यंग्य को उसकी मूल गरिमा के साथ देखा जाए। समाज को ऐसे कलाकारों की जरूरत है जो अपने अवलोकन, अध्ययन और रचनात्मकता के बल पर लोगों को हंसाएं। केवल विवाद पैदा करना कला नहीं है। यदि लोकप्रियता का आधार केवल सनसनी बन जाएगा तो कला का स्तर लगातार गिरता जाएगा। सरकार और न्याय व्यवस्था की भी एक भूमिका है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा करते हुए यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि सार्वजनिक मंचों पर घृणा, अपमान और अश्लीलता को मनोरंजन का वैध रूप न माना जाए। हालांकि कानून हर समस्या का समाधान नहीं हो सकता। सबसे बड़ा समाधान सामाजिक चेतना और दर्शकों की पसंद में बदलाव से ही आएगा। अंततः यह समझना होगा कि हास्य समाज का दर्पण होता है। यदि दर्पण साफ होगा तो समाज अपनी कमियों को पहचानकर सुधार की दिशा में आगे बढ़ेगा। लेकिन यदि वही दर्पण विकृत हो जाए तो वास्तविकता धुंधली पड़ जाएगी। इसलिए समय की मांग है कि कॉमेडी केवल हंसाने तक सीमित न रहे, बल्कि समाज को सोचने, समझने और बेहतर बनने की प्रेरणा भी दे। लोकप्रियता क्षणिक हो सकती है, लेकिन अच्छी कला की उम्र लंबी होती है। फूहड़ता कुछ समय के लिए तालियां बटोर सकती है, मगर इतिहास हमेशा उन्हीं कलाकारों को याद रखता है जिन्होंने अपनी प्रतिभा, संवेदनशीलता और मर्यादा के बल पर समाज को समृद्ध किया। यही स्वस्थ हास्य की पहचान है और यही किसी सभ्य समाज की अपेक्षा भी।

विचार विण्डो

दलीय निष्ठा का संकट, लोकतंत्र के भरोसे की चुनौती

उमेश चतुर्वेदी

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत राजनीतिक दलों की वैचारिक पहचान और जनप्रतिबद्धता रही है। लोकतंत्र में दल केवल चुनाव लड़ने और सत्ता हासिल करने का माध्यम नहीं होते, बल्कि वे समाज के सामने एक विचार, एक दृष्टि और एक वैकल्पिक राजनीतिक दिशा प्रस्तुत करते हैं। किंतु पिछले कुछ वर्षों में जिस तेजी से राजनीतिक दलों में टूट–फूट, दलबदल और निष्ठाओं का परिवर्तन देखने को मिल रहा है, उसने लोकतांत्रिक व्यवस्था के सामने गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। यह केवल राजनीतिक घटनाक्रम नहीं, बल्कि लोकतंत्र में जनता के विश्वास और प्रतिनिधित्व की मूल अवधारणा से जुड़ा विषय है।

समाजवादी चिंतक डॉ. राममनोहर लोहिया ने कभी कहा था–"सुधरो या टूट जाओ।" उनका आशय राजनीतिक दलों और नेताओं को आत्ममंथन की प्रेरणा देना था। लेकिन आज राजनीति में जो टूट–फूट दिखाई दे रही है, वह सुधार की प्रक्रिया से अधिक सत्ता और अवसर की राजनीति का परिणाम प्रतीत होती है। हाल के वर्षों में विभिन्न राज्यों में राजनीतिक दलों के भीतर जिस तरह असंतोष, बगावत और विभाजन के उदाहरण सामने आए हैं, उन्होंने यह संकेत दिया है कि राजनीतिक निष्ठाएं पहले की तुलना में कहीं अधिक कमजोर हो चुकी हैं।

दलबदल भारतीय राजनीति में कोई नई घटना नहीं है। हरियाणा से शुरू हुआ 'आया राम, गया राम' का मुहावरा दशकों से राजनीतिक अवसरवाद का प्रतीक रहा है। अंतर केवल इतना है कि पहले यह घटनाएं अपवाद थीं, जबकि अब वे राजनीति का सामान्य दृश्य बनती जा रही हैं। किसी दल के कुछ नेताओं का अलग होना एक बात है, लेकिन जब बड़ी संख्या में सांसद, विधायक या वरिष्ठ नेता अचानक राजनीतिक पाला बदलने लगें, तब यह केवल व्यक्तियों का निर्णय नहीं रह जाता, बल्कि पूरी राजनीतिक संस्कृति पर प्रश्नचिह्न लगाता है। राजनीतिक दल अक्सर अपने विधायकों और सांसदों के टूटने का दोष प्रतिद्वंद्वी दलों पर मढ़ते हैं। आरोप लगाए जाते हैं कि धनबल, पद का लालच या सत्ता का दबाव इस्तेमाल किया गया। यह संभव है कि कुछ मामलों में ऐसे आरोपों में सच्चाई भी हो। लेकिन इससे भी बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर ऐसे लोग दलों में पहुंचे कैसे? यदि कोई प्रतिनिधि थोड़े से राजनीतिक लाभ या व्यक्तिगत अवसर के लिए अपनी निष्ठा बदलने को तैयार हो जाता है, तो उसकी पहचान और चयन की प्रक्रिया पर भी सवाल उठना स्वाभाविक है। सच यह है कि चुनावी राजनीति के बढ़ते खर्च ने राजनीतिक दलों की प्राथमिकताओं को बदल दिया है। उम्मीदवार चयन में विचारधारा, संगठन के प्रति समर्पण और

सामाजिक प्रतिबद्धता से अधिक महत्व चुनाव जीतने की क्षमता को दिया जाने लगा है। कई बार आर्थिक शक्ति, जातीय समीकरण, स्थानीय प्रभाव और संसाधनों की उपलब्धता ही टिकट का आधार बन जाते हैं। परिणामस्वरूप ऐसे लोग लोकतांत्रिक संस्थाओं में पहुंच जाते हैं जिनकी प्रतिबद्धता किसी विचारधारा या संगठन से नहीं, बल्कि अपने व्यक्तिगत हितों से जुड़ी होती है। जब राजनीतिक दल स्वयं चुनावी सफलता के लिए वैचारिक समझौतों को स्वीकार कर लेते हैं, तब उनके प्रतिनिधियों से सिद्धांतों पर अडिग रहने की अपेक्षा करना कठिन हो जाता है। राजनीति में गठबंधन और समझौते लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा हैं, लेकिन जब सत्ता प्राप्ति ही एकमात्र लक्ष्य बन जाए और विचारधारा केवल भाषणों तक सीमित रह जाए, तब राजनीतिक नैतिकता कमजोर पड़ने लगती है। ऐसे वातावरण में सांसद और विधायक भी अवसर देखकर अपना रास्ता बदलने लगते हैं। इस प्रवृत्ति का सबसे बड़ा नुकसान लोकतंत्र की उस बुनियादी भावना को होता है, जिसके आधार पर मतदाता अपना प्रतिनिधि चुनता है। कोई भी मतदाता केवल व्यक्ति को वोट नहीं देता; वह उस दल, विचार और कार्यक्रम को भी समर्थन देता है जिसका प्रतिनिधित्व वह उम्मीदवार करता है। जब चुनाव जीतने के बाद वही प्रतिनिधि किसी दूसरे दल में चला जाता है, तो मतदाता स्वयं को ठगा हुआ महसूस कर सकता है। उसे लगता है कि उसके विश्वास और जनादेश का सम्मान नहीं किया गया।

आज का मतदाता पहले की तुलना में कहीं अधिक जागरूक है। सूचना क्रांति ने उसे राजनीति की बारीकियों को समझने का अवसर दिया है। वह केवल चुनावी वादों को नहीं देखता, बल्कि राजनीतिक व्यवहार और नैतिकता का भी आकलन करता है। इसलिए बार–बार होने वाले दलबदल और टूट–फूट उसके मन में लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति अविश्वास पैदा कर सकते हैं। यदि मतदाता को यह लगने लगे कि उसका वोट केवल सत्ता के खेल का हिस्सा बनकर रह गया है, तो लोकतंत्र की विश्वसनीयता कमजोर हो सकती है।

यह चिंता केवल किसी एक दल या विचारधारा तक सीमित नहीं है। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, सभी राजनीतिक दलों को आत्ममंथन करना होगा। उन्हें यह समझना होगा कि लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने का नाम नहीं है। लोकतंत्र जनता के विश्वास पर टिका है और यह विश्वास तभी कायम रहेगा जब राजनीतिक दल अपने संगठनात्मक ढांचे, उम्मीदवार चयन प्रक्रिया और वैचारिक प्रतिबद्धताओं को मजबूत बनाएंगे।

दलबदल विरोधी कानून भी इस समस्या का पूर्ण समाधान नहीं बन पाया है। कानूनी प्रावधानों के बावजूद राजनीतिक दल टूटते हैं, नए समूह बनते हैं और तकनीकी रास्तों से राजनीतिक समीकरण बदल जाते हैं। इसलिए समाधान केवल कानून में नहीं, बल्कि राजनीतिक संस्कृति में सुधार के भीतर छिपा है। दलों को ऐसे कार्यकर्ताओं और नेताओं को आगे लाना होगा जिनकी पहचान विचारधारा, जनसेवा और संगठनात्मक निष्ठा से बने, न कि केवल संसाधनों और प्रभाव से। भारतीय लोकतंत्र आज एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है। राजनीतिक दलों की टूट–फूट और दलबदल की बढ़ती घटनाएं केवल सत्ता परिवर्तन का प्रश्न नहीं हैं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों की परीक्षा भी हैं। यदि राजनीतिक दल समय रहते इस चुनौती का सामना नहीं करते, तो जनता का भरोसा कमजोर पड़ सकता है। लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है कि राजनीतिक दल सत्ता से पहले सिद्धांतों और अवसरवाद से पहले जनविश्वास को महत्व दें। आखिरकार लोकतंत्र की सबसे बड़ी पूंजी सत्ता नहीं, बल्कि जनता का भरोसा ही होता है।

रोहित–विराट पर बीसीसीआई का मास्टर प्लान

2027 वर्ल्ड कप को लेकर तैयार हो रहा रोडमैप

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के दो सबसे अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली 2027 वनडे वर्ल्ड कप खेलेंगे या नहीं, इस पर लगातार चर्चा हो रही है। दोनों खिलाड़ी पहले ही टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं और अब केवल वनडे और आईपीएल में खेलते नजर आते हैं। ऐसे में उनके भविष्य को लेकर बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया का बड़ा बयान सामने आया है। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, देवजीत सैकिया ने कहा कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने 2027 वनडे वर्ल्ड कप की तैयारियां शुरू कर दी हैं। इस बड़े टूर्नामेंट के लिए एक विस्तृत रोडमैप तैयार किया जा रहा है, जिसमें क्रिकेट से जुड़े सभी महत्वपूर्ण लोगों की राय शामिल की जा रही है। उन्होंने

बताया कि चयन समिति, टीम प्रबंधन, मुख्य कोच, सपोर्ट स्टाफ और खिलाड़ियों के बीच लगातार चर्चा होती रहती है, ताकि टीम के भविष्य को लेकर सही फैसले लिए जा सकें। हालांकि, जब उनसे रोहित शर्मा और विराट कोहली की भूमिका के बारे में पूछा गया तो उन्होंने स्पष्ट कहा कि बोर्ड की रणनीति सार्वजनिक नहीं की जा सकती। उनके अनुसार, टीम से जुड़े फैसले पूरी तरह गोपनीय होते हैं और इन्हें मीडिया या आम लोगों के सामने साझा करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐसी रणनीतियां बोर्ड की बैठकों तक ही सीमित रहती हैं। देवजीत सैकिया ने यह भी कहा कि इस विषय पर अलग से किसी विशेष बैठक की जरूरत नहीं पड़ती, क्योंकि टीम के

अगले वर्ल्ड कप पर आया बड़ा अपडेट

भविष्य और खिलाड़ियों की भूमिका पर लगातार काम होता रहता है। बोर्ड के पास अनुभवी विशेषज्ञों की टीम है, जो हर पहलू पर विचार कर योजनाएं तैयार करती है। गौरतलब है कि 2027 वनडे वर्ल्ड कप दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की संयुक्त मेजबानी में खेला जाएगा। ऐसे में भारतीय टीम के अनुभवी खिलाड़ियों की भूमिका को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। हालांकि बीसीसीआई ने अभी तक यह साफ नहीं किया है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली इस मेगा टूर्नामेंट का हिस्सा होंगे या नहीं। फिलहाल बोर्ड का पूरा फोकस मजबूत टीम तैयार करने और भविष्य की रणनीति को अंतिम रूप देने पर है।

एक साल बाद मैदान में उतरेंगे भारतीय स्टार

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत के स्टार जैवलिन थ्रोअर और ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा लंबे समय बाद प्रतिस्पर्धी एथलेटिक्स में वापसी करने जा रहे हैं। पीठ की चोट से उबरने के बाद वह 19 जून को दोहा डायमंड लीग में एक्शन में नजर आएंगे। भारतीय खेल प्रेमियों की निगाहें उनकी वापसी पर टिकी हैं, क्योंकि यह मुकाबला आगामी कॉमनवेल्थ गेम्स और एशियन गेम्स की तैयारियों के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है। नीरज चोपड़ा ने पिछले साल सितंबर में आयोजित वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप के बाद किसी भी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लिया था। बैक इंजरी के कारण उन्हें लंबे समय तक मैदान से दूर रहना पड़ा। पूरी तरह फिट होने के बाद उन्होंने पिछले महीने से स्विट्जरलैंड में विशेष प्रशिक्षण लिया और अब वह नए जोश के साथ मैदान में लौट रहे हैं। दोहा डायमंड लीग नीरज के लिए खास मायने रखती है। इसी शहर में उन्होंने 2025 में पहली बार 90 मीटर से अधिक दूरी तक भाला फेंककर इतिहास रचा था। ऐसे में एक बार फिर उनसे शानदार प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। हालांकि इस बार

दोहा में नीरज की वापसी पर दुनिया की नजरें

उनके सामने कड़ी चुनौती श्रीलंका के युवा जैवलिन थ्रोअर रुमेश थारंगा पाथिराजे होंगे, जिन्होंने हाल ही में रोम डायमंड लीग में 92.62 मीटर का थ्रो कर अपनी बेहतरीन फॉर्म का परिचय दिया था। इस प्रतियोगिता में कुल नौ एथलीट हिस्सा ले रहे हैं, लेकिन सबसे अधिक चर्चा नीरज और रुमेश के बीच होने वाली टक्कर की है। भारतीय प्रशंसकों को उम्मीद है कि नीरज अपनी वापसी को यादगार बनाते हुए शानदार प्रदर्शन करेंगे और आगामी बड़े टूर्नामेंटों के लिए आत्मविश्वास हासिल करेंगे।भारतीय समयानुसार जैवलिन थ्रो प्रतियोगिता की शुरुआत रात 11:14 बजे होगी। इस इवेंट का टीवी पर सीधा प्रसारण उपलब्ध नहीं रहेगा। हालांकि दर्शक इसे के आधिकारिक यूट्यूब चैनल और फेसबुक पेज पर मुफ्त में लाइव देख सकेंगे। लंबे इंतजार के बाद नीरज चोपड़ा की वापसी भारतीय खेल प्रेमियों के लिए किसी बड़े उत्सव से कम नहीं मानी जा रही है।

अमिताभ का दर्द सुन हर कोई रह गया हैरान

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने एक बार फिर अपने काम के प्रति समर्पण और अनुशासन की मिसाल पेश की है। 83 वर्ष की उम्र में भी वह अपने हर काम को बेहतर बनाने की कोशिश करते हैं। हाल ही में उन्होंने अपने ब्लॉग में बताया कि एक काम पूरा करने के बाद उन्हें लगा कि इसे और बेहतर किया जा सकता है। इसी वजह से उन्होंने उस हिस्से को दोबारा किया, लेकिन उसके बाद भी उनके मन में यही सवाल चलता रहा कि क्या दूसरा प्रयास पहले से बेहतर था। इसी उधेड़बुन में उनकी पूरी रात गुजर गई। अमिताभ बच्चन ने ब्लॉग में लिखा कि उन्हें दोबारा काम करने की अनुमति मिल गई थी, इसलिए उन्होंने उसे फिर से रिकॉर्ड किया। हालांकि, अंतिम फैसला दर्शकों पर छोड़ते हुए उन्होंने कहा कि अब देखने वाले ही बताएंगे कि कौन–सा प्रदर्शन बेहतर रहा। उन्होंने बताया कि इन्हीं विचारों के कारण उन्हें रातभर नींद नहीं आई और देखते ही देखते सुबह हो गई। इससे पहले भी अमिताभ बच्चन अपने व्यस्त शेड्यूल का जिक्रकर चुके हैं। उन्होंने बताया था कि एक ही दिन में उन्होंने 12 शॉर्ट फिल्मों की शूटिंग और दो स्टिल फोटोशूट पूरे किए। इसके बावजूद वह अपने प्रशंसकों से जुड़े रहने के लिए नियमित रूप से ब्लॉग लिखते हैं और सोशल मीडिया पर सक्रिय रहते हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो अमिताभ बच्चन जल्द ही 'कल्कि 2898 अऊ' के सीक्वल में ऑत्थामा के किरदार में नजर आएंगे। उनका यह समर्पण दिखाता है कि सफलता पाने के बाद भी सीखने और खुद को बेहतर बनाने की इच्छा कभी खत्म नहीं होती। यही गुण उन्हें आज भी भारतीय सिनेमा का सबसे प्रेरणादायक कलाकार बनाता है।

युवराज की आईपीएल में धमाकेदार वापसी

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह की आईपीएल में वापसी की खबरें तेज हो गई हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह आईपीएल 2027 में दिल्ली कैपिटल्स के सपोर्ट स्टाफ से जुड़कर बल्लेबाजी कोच की भूमिका निभा सकते हैं। संन्यास के बाद युवराज कई युवा खिलाड़ियों का मार्गदर्शन कर चुके हैं। अभिषेक शर्मा, प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्या जैसे खिलाड़ियों के प्रदर्शन में उनके योगदान की काफी चर्चा रही है। दिल्ली कैपिटल्स का पिछला सीजन उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा और टीम प्लेऑफ में जगह बनाने से चूक गई थी। ऐसे में फ्रेंचाइजी अपने कोचिंग सेटअप में बदलाव की तैयारी कर रही है। खबरों के अनुसार, पूर्व कप्तान सौरव गांगुली की भी सपोर्ट स्टाफ में वापसी हो सकती है। हालांकि, युवराज की नियुक्ति को लेकर अभी तक फ्रेंचाइजी की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

गंगा घाट पर सोए सुनील ग्रोवर

यूनिक समय, नई दिल्ली। मशहूर कॉमेडियन और अभिनेता सुनील ग्रोवर एक बार फिर अपनी सादगी को लेकर सुर्खियों में हैं। सोशल मीडिया पर उनका एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह गंगा किनारे एक घाट पर साधारण चादर बिछाकर आराम करते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो ने इंटरनेट पर लोगों का दिल जीत लिया है और फैंस उनके डाउन–टू–अर्थ स्वभाव की जमकर तारीफ कर रहे हैं। सुनील ग्रोवर ने यह वीडियो अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर 'तारे जमीन पर' कैप्शन के साथ साझा किया है। वीडियो में वह ऑलिव ग्रीन शर्ट और शॉर्ट्स पहने नजर आ रहे हैं। उनके आसपास कई अन्य लोग भी जमीन पर आराम करते दिखाई दे रहे हैं। हालांकि यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि यह वीडियो हरिद्वार का है या ऋषिकेश का, लेकिन शांत वातावरण और सुनील का सादा अंदाज लोगों को खूब पसंद आ रहा है। वीडियो सामने आते ही सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ

सादगी भरे अंदाज ने जीता फैंस का दिल

गई। एक यूजर ने लिखा, "इसीलिए आप सभी के पसंदीदा कलाकार हैं।" वहीं दूसरे ने उन्हें "जमीन से जुड़ा इंसान" बताया। कुछ लोगों ने मजाकिया अंदाज में लिखा, "गुत्थी को कपिल ने भगा दिया क्या?" तो किसी ने कहा, "गरीबों की भी प्राइवेसी होती है, उन्हें आराम करने दो।" सुनील ग्रोवर लंबे समय से अपनी शानदार कॉमेडी और अनोखे किरदारों के लिए दर्शकों के बीच लोकप्रिय हैं। 'गुत्थी' और 'डॉ. मशहूर गुलाटी' जैसे उनके किरदार आज भी लोगों के दिलों में बसे हुए हैं। हाल के वर्षों में उन्होंने फिल्मों और वेब सीरीज में भी अपनी दमदार अभिनय क्षमता का परिचय दिया है। उनका यह वायरल वीडियो एक बार फिर साबित करता है कि लोकप्रियता के बावजूद सादगी ही इंसान की सबसे बड़ी पहचान होती है।

शाहरुख ने फिर जीता फैंस का दिल

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान ने एक बार फिर अपनी दरियादिली से लोगों का दिल जीत लिया है। मराठी फिल्म 'देऊळ बंद–2' के निर्देशक प्रवीण तरडे ने बताया कि फिल्म की रिलीज से पहले वह आर्थिक संकट से जूझ रहे थे। थिएटर में रिलीज के लिए डिजिटल सिनेमा पैकेज तैयार कराने का करीब 42 लाख रुपये का बिल बाकी था, जिससे फिल्म की रिलीज पर संकट मंडरा रहा था। मामले की जानकारी मिलने पर शाहरुख खान ने अपनी कंपनी रेड चिलीज एंटरटेनमेंट को बिना भुगतान लिए फिल्म का उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उनकी इस मदद से फिल्म तय समय पर रिलीज हो सकी। रिलीज के बाद फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया और 80 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की। शाहरुख के इस नेक कदम की हर तरफ सराहना हो रही है।

20 जून को फीफा में रोमांचक मुकाबलों की भरमार

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका, ब्राजील, मोरक्को और नीदरलैंड्स समेत कई मजबूत टीमें उतरेंगी मैदान में फीफा वर्ल्ड कप 2026 का रोमांच लगातार बढ़ता जा रहा है। शुरुआती मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन देखने के बाद अब 20 जून का दिन भी फुटबॉल प्रशंसकों के लिए बेहद खास रहने वाला है। इस दिन कुल पांच मुकाबले खेले जाएंगे, जिनमें दुनिया की कई दिग्गज टीमें मैदान पर उतरेंगी। अमेरिका, ब्राजील, मोरक्को, नीदरलैंड्स और स्वीडन जैसी मजबूत टीमों के मुकाबलों पर दुनियाभर के फुटबॉल प्रेमियों की नजरें रहेंगी। दिन का पहला मुकाबला ग्रुप ऊमें अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के बीच भारतीय समयानुसार रात 12:30 बजे खेला जाएगा। दोनों टीमों ने अपने शुरुआती मुकाबले जीते हैं, इसलिए इस मैच में कांटे की टक्कर देखने को मिल सकती

है। अमेरिका ने पहले मैच में पराग्वे को 4–1 से हराया था, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने तुर्किये को 2–0 से मात दी थी। इसके बाद ग्रुप उ में सुबह 3:30 बजे स्कॉटलैंड और मोरक्को आमने–सामने होंगे। दोनों टीमों के लिए नॉकआउट की दौड़ में बने रहने के लिहाज से यह मुकाबला बेहद अहम माना जा रहा है। इसी ग्रुप का दूसरा मैच सुबह 6:00 बजे ब्राजील और हैती के बीच खेला जाएगा। पांच बार की विश्व चैंपियन ब्राजील जीत की लय

अमेरिका, ब्राजील, मोरक्को और नीदरलैंड्स समेत कई मजबूत टीमें उतरेंगी मैदान में

बरकरार रखने के इरादे से मैदान में उतरेगी। ग्रुप ऊका चौथा मुकाबला सुबह 8:30 बजे तुर्किये और पराग्वे के बीच होगा। दोनों टीमें पिछली गलतियों को सुधारते हुए जीत दर्ज करने की कोशिश करेंगी। दिन का सबसे बड़ा मुकाबला ग्रुप ा में रात 10:30 बजे नीदरलैंड्स और स्वीडन के बीच खेला जाएगा। दोनों यूरोपीय दिग्गज टीमों के बीच कड़ी टक्कर की उम्मीद है। फुटबॉल प्रशंसकों के लिए 20 जून का दिन रोमांच और हाई–वोल्टेज मुकाबलों से भरपूर रहने वाला है।

सामंथा की एक्टिंग छाई, कहानी नहीं कर पाई कमाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। सामंथा रुथ प्रभु की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'मा इंटी बंगारम' रिलीज के बाद सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी हुई है। फिल्म को दर्शकों से मिले–जुले रिव्यू मिल रहे हैं। जहां सामंथा की दमदार एक्टिंग, शानदार स्क्रीन प्रेजेंस और एक्शन सीक्वेंस की जमकर सराहना हो रही है, वहीं फिल्म की कहानी, कमजोर विलेन और साधारण स्क्रीनप्ले को लेकर कई दर्शकों ने निराशा भी जताई है सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फिल्म देखने वाले दर्शकों ने लिखा कि सामंथा ने अपने किरदार में जान डाल दी है। उनका अभिनय फिल्म की सबसे बड़ी ताकत बनकर सामने आया है। कई यूजर्स ने एक्शन दृश्यों और पहले हाफ की भी तारीफ की, जबकि इंटरवल ट्विस्ट को दिलचस्प बताया। हालांकि, दूसरे हाफ में कहानी की रफ्तार धीमी पड़ती दिखाई देती है, जिससे फिल्म का प्रभाव कम हो जाता है। कई दर्शकों का मानना है कि फिल्म की कहानी पहले से अनुमान लगाई जा सकती है और इसमें नया या चौंकाने वाला तत्व कम है। विलेन का किरदार भी उम्मीदों पर खरा नहीं उतरता, जबकि बैकस्टोरी और इमोशनल सीन्स में गहराई की कमी महसूस होती है। बैकग्राउंड म्यूजिक को लेकर भी दर्शकों की राय बंटी हुई है। बॉक्स ऑफिस की बात करें तो रिपोर्ट्स के अनुसार फिल्म ने रिलीज से पहले ही अपने थिएट्रिकल और नॉन–थिएट्रिकल राइट्स के जरिए लागत वसूल कर ली थी। पहले दिन फिल्म ने लगभग 1.72 करोड़ रुपये की नेट कमाई दर्ज की। फिलहाल यह फिल्म तेलुगु और तमिल भाषा में सिनेमाघरों में प्रदर्शित हो रही है, जबकि हिंदी संस्करण का दर्शकों को इंतजार है।

दोहरे हत्याकांड में आया बड़ा फैसला

18 साल बाद मिला इंसाफ 14 दोषियों को उम्रकैद

यूनिक समय, फतेहपुर। करीब 18 वर्ष पुराने चर्चित पट्टीशाह दोहरे हत्याकांड में आखिरकार न्याय का फैसला सामने आ गया। जिला एवं सत्र न्यायालय ने 14 दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाते हुए प्रत्येक पर 38 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। फैसले के बाद पीड़ित परिवार ने राहत की सांस ली है।

यह मामला वर्ष 2008 का है, जब हथगाम क्षेत्र के पट्टीशाह गांव में वर्चस्व की लड़ाई खूनी संघर्ष में बदल

गई थी। बकरीद के जुलूस के दौरान हुए विवाद में बसपा नेता मजहर हैदर नकवी के पुत्र रियाज हैदर नकवी और

हर दोषी पर लगा जुर्माना भी

उनके अंगरक्षक शमशाद पर ताबड़तोड़ फायरिंग की गई थी। रियाज की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि घायल शमशाद ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया था।

मामले में कुल 16 आरोपियों के खिलाफ मुकदमा चला। सुनवाई के दौरान दो आरोपियों की मृत्यु हो गई, जबकि शेष 14 आरोपियों पर आरोप साबित हुए। अदालत ने सभी दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाते हुए आर्थिक दंड भी लगाया।

करीब डेढ़ दशक तक चले इस मामले में अदालत के फैसले को पीड़ित पक्ष ने न्याय की जीत बताया है। वहीं इस निर्णय ने यह संदेश भी दिया है कि कानून की पकड़ से अपराधी देर-सवेर बच नहीं सकते। लंबे इंतजार के बाद आए इस फैसले की पूरे जिले में चर्चा हो रही है।

हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

गरीबी नहीं बनेगी रिहाई में दीवार

यूनिक समय, प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि जमानत मिलने के बाद किसी आरोपी की गरीबी या सामाजिक मजबूरी उसकी रिहाई में बाधा नहीं बन सकती। अदालत ने स्पष्ट किया कि केवल अलग-अलग मामलों में अलग-अलग जमानतदार पेश न कर पाने के कारण किसी व्यक्ति को जेल में नहीं रखा जा सकता।

न्यायमूर्ति जय कृष्ण उपाध्याय की पीठ ने कानपुर निवासी कमलेश कुमार उर्फ कमलेश फाइटर की याचिका स्वीकार करते हुए राहत दी। अदालत ने आदेश दिया कि 10 मामलों में जमानत मिलने के बावजूद रिहाई न होने की स्थिति में एक लाख रुपये के निजी मुचलके और समान राशि के दो जमानतदारों पर सभी मामलों में रिहाई दी जाए।

याची का कहना था कि वह आर्थिक रूप से कमजोर है और हर मुकदमे में अलग-अलग जमानतदार

जमानत के बाद रिहाई का रास्ता आसान

तकनीकी अड़चन से नहीं रुकेगी स्वतंत्रता

पेश करना उसके लिए संभव नहीं है। हाईकोर्ट ने माना कि न्याय केवल आदेश देने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि आम व्यक्ति के लिए सुलभ भी होना चाहिए।

अदालत ने कहा कि कानून का उद्देश्य न्याय का रास्ता आसान बनाना है, न कि तकनीकी शर्तों के जरिए किसी की व्यक्तिगत स्वतंत्रता को अनिश्चितकाल तक रोकना। यह फैसला गरीब और कमजोर वर्ग के लोगों के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है।

पुलिस जांच में खुला पूरा मामला

अवैध संबंध में पति की हत्या

भाई-भाभी ने मिलकर साजिश रची हत्या

यूनिक समय, आगरा। आगरा में चार महीने पुरानी शादी का दर्दनाक अंत सामने आया है। सुल्तानपुरा क्षेत्र में एक युवक अमित कुमार की हत्या के मामले में पुलिस ने उसके छोटे भाई और पत्नी को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया कि पत्नी खुशी और देवर भोलू के बीच अवैध संबंध थे, जिसके चलते दोनों ने मिलकर हत्या की साजिश रची।

पुलिस के अनुसार, अमित 17 जून की सुबह घर से निकला था और खेत के पास उसका खून से लथपथ शव मिला। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें तथा गला

घोंटने की पुष्टि हुई। जांच में सीसीटीवी फुटेज से बड़ा खुलासा हुआ, जिसमें आरोपी भोलू को घटना के बाद भागते हुए देखा गया। पूछताछ में भोलू ने कबूल किया कि भाभी से संबंधों के चलते उन्होंने भाई को रास्ते से हटाने की योजना बनाई। दोनों आरोपियों ने मिलकर पत्थर से हमला किया और गमछे से गला घोंटकर हत्या कर दी। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है और मामले की आगे जांच जारी है।

बंबे में मिला रहस्यमयी शव

यूनिक समय, हाथरस। चंदपा कोतवाली क्षेत्र में नगला कलू और अल्लेहपुर के बीच स्थित बंबे में एक अज्ञात युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शुक्रवार सुबह ग्रामीणों ने पानी में शव तैरता देखा और पुलिस को सूचना दी।

मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बंबे से बाहर निकलवाया। मृतक की उम्र करीब 40 वर्ष बताई जा रही है। उसके शरीर पर लाल रंग की फुल टी-शर्ट थी। पुलिस के अनुसार शव लगभग चार दिन पुराना प्रतीत हो रहा है।

सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि युवक के चेहरे और शरीर पर गहरे चोटों के निशान मिले हैं। इससे मामला संदिग्ध बन गया है और हत्या की आशंका भी जताई

चोटों के निशान से बढ़ी हत्या की आशंका

चार दिन पुराना बताया जा रहा शव

पहचान और मौत के कारण की जांच जारी

जा रही है। हालांकि पुलिस अभी किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंची है।

शव की हालत खराब होने के कारण पहचान करना मुश्किल हो रहा है।

पुलिस आसपास के गांवों में शिनाख्त कराने का प्रयास कर रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

मिशन-2027 से घबराए विरोधी: मायावती

यूनिक समय, लखनऊ । बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने उम्मीदवार चयन और आर्थिक सहयोग को लेकर उठ रहे सवालों पर तीखा पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि बसपा को बदनाम करने के लिए विरोधी दल और कुछ वर्ग सुनियोजित तरीके से दुष्प्रचार कर रहे हैं। जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आते हैं, पार्टी के खिलाफ अफवाहों और भ्रामक खबरों का दौर तेज हो जाता है।

मायावती ने कहा कि बसपा किसी बड़े पूंजीपति या धनकुबेर के इशारे पर नहीं, बल्कि अपने समर्थकों और कार्यकर्ताओं के सहयोग से आगे बढ़ने वाली पार्टी है। यही कारण है कि पार्टी की बढ़ती ताकत और जनाधार कुछ लोगों को परेशान कर रहा है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता और गंभीरता के साथ की जाती है। इसमें किसी प्रकार की मनमानी या

उम्मीदवार चयन पर दिया जवाब

दुष्प्रचार से सावधान रहने की अपील

पक्षपात की गुंजाइश नहीं है। बसपा प्रमुख ने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे अफवाहों और विरोधियों के दुष्प्रचार से प्रभावित न हों। उन्होंने कहा कि पार्टी के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मिशन-2027 को सफल बनाने के लिए पूरी ताकत से जुटे हुए हैं। बढ़ते जनसमर्थन को देखकर विरोधी दलों की बेचैनी साफ दिखाई दे रही है।

अगले जन्म में होंगे मुख्यमंत्री : राजभर

यूनिक समय, आजमगढ़। उत्तर प्रदेश की राजनीति में बयानबाजी का दौर तेज हो गया है। कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी और उसके नेतृत्व पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि अखिलेश यादव अब इस जन्म में नहीं, बल्कि अगले जन्म में मुख्यमंत्री बनेंगे। उनके इस बयान के बाद प्रदेश की सियासत में नई चर्चा शुरू हो गई है।

राजभर ने दावा किया कि भाजपा अपने सहयोगी दलों को कमजोर नहीं करती, बल्कि नेताओं को आगे बढ़ाने का काम करती है। उन्होंने कहा कि कई क्षेत्रीय नेताओं को राष्ट्रीय पहचान

दिलाने में भाजपा की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

सपा के पीडीए फार्मूले पर सवाल उठाते हुए राजभर ने आरोप लगाया कि पिछली सरकारों में कई समाजों की उपेक्षा की गई। उन्होंने सपा और कांग्रेस के गठबंधन को भी निशाने पर लेते हुए

रामगोपाल यादव भी निशाने पर

सपा पर राजभर का तीखा हमला

इसे असफल राजनीतिक प्रयोग बताया।

सपा के वरिष्ठ नेता रामगोपाल यादव पर भी हमला बोलते हुए राजभर ने उन पर भेदभावपूर्ण राजनीति करने का आरोप लगाया और कुछ मामलों की निष्पक्ष जांच की मांग की। उनके बयान से प्रदेश की राजनीतिक गर्मी और बढ़ गई है।

अमेठी में खेत में उतरा करंट, दो किसानों की मौत

यूनिक समय, अमेठी । अमेठी जिले के हरपालपुर गांव में शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। खेत में धान की रोपाई कर रहे दो किसानों की करंट लगने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, 50 वर्षीय हीरालाल प्रजापति सुबह खेत में धान की रोपाई कर रहे थे। उसी दौरान खेत के पास लगे निजी नलकूप का बिजली तार टूटकर पानी में गिर गया। पानी में फैले करंट की चपेट में आकर हीरालाल मौके पर ही गिर पड़े। उन्हें बचाने के लिए पहुंचे 58 वर्षीय रामबोध यादव भी करंट की चपेट में आ गए और दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

राम मंदिर चढ़ावा विवाद पर बोले योगी

एसआईटी करेगी दूध का दूध, पानी का पानी....

यूनिक समय, अयोध्या। राम मंदिर चढ़ावा विवाद के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पहली बार खुलकर प्रतिक्रिया दी। अयोध्या दौरे पर पहुंचे मुख्यमंत्री ने कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित कर दी गई है और यह जांच "दूध का दूध, पानी का पानी" कर देगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि दोषी चाहे कोई भी हो, उसे बख्शा नहीं जाएगा।

जनसभा को संबोधित करते हुए योगी ने कहा कि राम मंदिर करोड़ों

श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है, इसलिए इस मामले में बिना तथ्यों के बयानबाजी से बचना चाहिए। उन्होंने सभी पक्षों से संयम बरतने और ऐसी टिप्पणियां न करने की अपील की,

आस्था के मुद्दे पर संयम की अपील

जांच रिपोर्ट पर टिकी सबकी निगाहें

जिससे रामभक्तों की भावनाएं आहत हों।

मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जो लोग आज रामभक्तों की चिंता जता रहे हैं, उनका इतिहास सबके सामने है। योगी ने दावा किया कि उनकी सरकार ने हमेशा आस्था, विकास और पारदर्शिता को प्राथमिकता दी है।

अपने संबोधन में उन्होंने वीरांगना झलकारी बाई, अवंतीबाई और उद्दा देवी जैसी महान हस्तियों का भी उल्लेख किया और कहा कि नई पीढ़ी को राष्ट्रनायकों के संघर्ष से प्रेरणा लेनी चाहिए।

राम मंदिर चढ़ावा विवाद पर अब सबकी नजर एसआईटी जांच पर टिकी है, जिससे पूरे मामले की सच्चाई सामने आने की उम्मीद जताई जा रही है।

संरक्षित पशु के मांस मामले में बड़ी कार्रवाई

पूर्व केंद्रीय मंत्री के भाई गिरफ्तार

यूनिक समय, अलीगढ़। जनवरी में गभाना टोल प्लाजा पर पकड़ी गई संदिग्ध मांस खेप मामले में अलीगढ़ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए खुर्जा स्थित एक मीट फैक्टरी के संचालक और पूर्व केंद्रीय मंत्री सरवर हुसैन के भाई अनवर हुसैन को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने चिकित्सकीय परीक्षण के बाद उन्हें अदालत में पेश किया।

यह मामला उस समय चर्चा में आया था जब गोरक्षा दल के सदस्यों ने गभाना टोल प्लाजा के पास एक लोडर वाहन को रोककर जांच की थी। वाहन से 700 किलो से अधिक मांस बरामद हुआ था। बरामद सामग्री को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया था।

पुलिस के अनुसार, जांच रिपोर्ट में मांस संरक्षित पशु का पाया गया। रिपोर्ट मिलने के बाद मामले में कानूनी कार्रवाई तेज कर दी गई और संबंधित फैक्टरी संचालक के खिलाफ मुकदमे

जांच रिपोर्ट के बाद हुई गिरफ्तारी

700 किलो से अधिक मांस था बरामद

में गिरफ्तारी की गई।

अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच अभी जारी है और मांस की आपूर्ति श्रृंखला से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका भी खंगाली जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि प्रतिबंधित मांस की खेप कहां से लाई गई और इसे कहां पहुंचाया जाना था।

इस कार्रवाई के बाद इलाके में चर्चा का माहौल है। पुलिस का कहना है कि पशु संरक्षण कानूनों के उल्लंघन के मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

जश्न के बीच ताबड़तोड़ गोलियां से दहला टाइम्स स्क्वायर

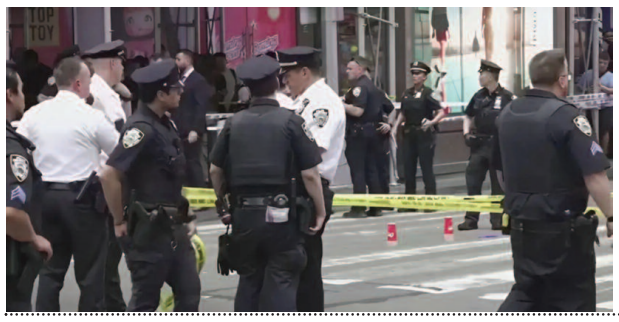

यूनिक समय, नई दिल्ली। न्यूयॉर्क के मशहूर टाइम्स स्क्वायर में उस समय अफरा–तफरी मच गई जब अचानक गोलीबारी की आवाजें गूंज उठीं। कुछ ही सेकंड में वहां मौजूद पर्यटक, स्थानीय लोग और राहगीर जान बचाने के लिए इधर–उधर भागने लगे। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत फैल गई।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, घटना

जश्न का माहौल दहशत में बदला

विवाद के बाद चली कई गोलियां

उस समय हुई जब शहर में एक बड़ी खेल जीत का जश्न मनाया जा रहा था और हजारों लोग सड़कों पर मौजूद थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने कई गोलियां चलने की बात कही है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में लोग घबराकर सुरक्षित स्थानों की ओर दौड़ते दिखाई दे रहे हैं।

पुलिस ने तत्काल मोर्चा संभालते हुए इलाके को घेर लिया और एक संदिग्ध को हिरासत में ले लिया। घटना में एक व्यक्ति घायल हुआ, जिसे अस्पताल पहुंचाया गया।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि कुछ लोगों के बीच हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया, जिसके बाद गोलीबारी हुई।

पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और घटना से जुड़े सभी पहलुओं की पड़ताल में जुटी है।

मॉस्को शहर पर बरसी काली बारिश, मचा हड़कंप

ड्रोन हमले के बाद बदला मौसम

काली परत से सहमे स्थानीय लोग

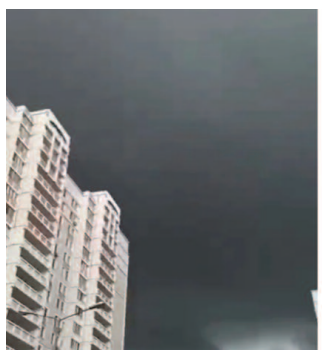

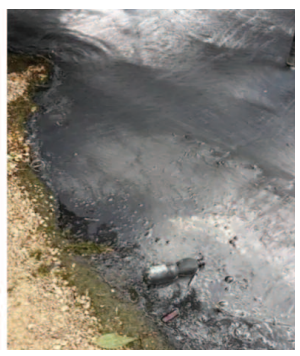

यूनिक समय, नई दिल्ली। रूस की राजधानी मॉस्को में उस समय लोग हैरान रह गए जब कुछ इलाकों में बारिश के साथ काले और तैलीय कण गिरने लगे। सड़कों, कारों और इमारतों पर जमी काली परत ने लोगों को चौंका दिया। घटना के वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, यह घटना यूक्रेन के बड़े ड्रोन हमले के बाद सामने आई। बताया जा रहा है कि हमले में एक प्रमुख तेल रिफाइनरी प्रभावित हुई, जिसके बाद उठे घने धुएं और प्रदूषक कणों ने बारिश के साथ मिलकर काले अवशेषों का रूप ले लिया। शुरुआत में स्थानीय अधिकारियों ने "काली बारिश" की खबरों से इनकार किया, लेकिन बाद में लोगों को खिड़कियां बंद रखने और सावधानी बरतने की सलाह जारी की गई। छोटे बच्चों, बुजुर्गों और सांस संबंधी बीमारियों से पीड़ित लोगों को प्रभावित इलाकों से दूर रहने को कहा गया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि बारिश के बाद कपड़ों और वाहनों पर काले दाग पड़ गए। इस घटना ने युद्ध के पर्यावरणीय प्रभावों को लेकर नई चिंताएं खड़ी कर दी हैं।

राहुल गांधी के जन्मदिन पर पीएम मोदी ने दी शुभकामनाएं

यूनिक समय, नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के 56वें जन्मदिन पर राजनीतिक गलियारों में शुभकामनाओं का दौर देखने को मिला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पर संदेश जारी कर राहुल गांधी के अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की। उनके इस संदेश को राजनीतिक शिष्टाचार की मिसाल माना जा रहा है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राहुल गांधी के सार्वजनिक जीवन, संविधान के प्रति प्रतिबद्धता और सामाजिक न्याय के मुद्दों पर उनके प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की राजनीति आम लोगों की आवाज को मजबूती देती है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने भी उन्हें बधाई देते हुए संघर्षशील और जनसरोकारों से जुड़े नेता बताया। कांग्रेस के आधिकारिक मंचों पर भी विशेष संदेश साझा किए गए, जिनमें राहुल गांधी की जनभागीदारी और युवाओं से संवाद को उनकी प्रमुख पहचान बताया गया।

शेयर बाजार में एक फैसले से डूबे दो लाख करोड़ रुपये

कमजोर अनुमान से बढ़ी बाजार चिंता

आईटी कंपनियों में तेज बिकवाली

यूनिक समय, मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार को आईटी सेक्टर में भारी बिकवाली देखने को मिली। वैश्विक आईटी कंपनी एक्सेंचर के कमजोर कारोबारी अनुमान के बाद निवेशकों में चिंता बढ़ गई, जिससे प्रमुख आईटी शेयरों में तेज गिरावट दर्ज की गई। बाजार खुलते ही इंफोसिस, टीसीएस, विप्रो, टेक महिंद्रा और एचसीएल टेक समेत कई आईटी कंपनियों के शेयर लुढ़क गए। इससे निवेशकों की संपत्ति में करीब दो लाख करोड़ रुपये की कमी दर्ज की गई।

विशेषज्ञों के अनुसार, एक्सेंचर ने राजस्व वृद्धि अनुमान घटाते हुए संकेत दिया है कि दुनिया भर की कंपनियां तकनीकी खर्च बढ़ाने में फिलहाल सतर्क हैं।

इससे भारतीय आईटी कंपनियों के भविष्य के कारोबार को लेकर आशंकाएं बढ़ गई हैं। हालांकि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से जुड़े प्रोजेक्ट्स की मांग बनी हुई है, लेकिन निवेशकों को डर है कि वैश्विक स्तर पर नए प्रोजेक्ट्स की रफ्तार धीमी रह सकती है। इसी कारण आईटी शेयरों पर दबाव बढ़ता दिखाई दिया।

जब्त माल ही बेचने लगे कानून के रखवाले

मालखाने से गायब मिली हजारों बोतलें

जांच में खुली पुलिसकर्मियों की करतूत

यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार के सुपौल जिले में पुलिस विभाग को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। प्रतापगंज थाने के मालखाने से हजारों बोतल जब्त कफ सिरप गायब मिलने के बाद थानाध्यक्ष को निलंबित कर दिया गया, जबकि चार पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। जांच में पता चला कि जब्त की गई 7,560 बोतलों में से केवल 1,390 बोतलें ही मालखाने में मिलीं। बाकी स्टॉक गायब था। आरोप है कि कफ सिरप को चोरी कर नशे के कारोबारियों तक पहुंचाया जा रहा था। मामले को छिपाने के लिए दूसरी कंपनी की बोतलें मालखाने में रख दी गईं।

जांच के दौरान थाना परिसर से जब्त वाहनों के पुर्जे और अन्य सामान गायब होने के भी प्रमाण मिले। इतना ही नहीं, पुराने सीसीटीवी फुटेज भी डिलीट पाए गए। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि जब्त कफ सिरप, शराब और अन्य सामान चोरी कर बेचा जाता था। अब पुलिस पूरे नेटवर्क की जांच कर रही है।

री–नीट से पहले टेलीग्राम पर रोक बरकरार

हाईकोर्ट ने दी सरकार को राहत

परीक्षा सुरक्षा को बताया प्राथमिकता

यूनिक समय, नई दिल्ली। री–नीट परीक्षा से पहले टेलीग्राम पर लगाया गया अस्थायी प्रतिबंध फिलहाल जारी रहेगा। दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार के फैसले को सही ठहराते हुए प्रतिबंध हटाने से इनकार कर दिया है। अदालत ने माना कि सरकार ने कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए परीक्षा की निष्पक्षता और सुरक्षा को ध्यान में रखकर यह कदम उठाया है।

21 जून को होने वाली री–नीट परीक्षा के मद्देनजर सरकार ने टेलीग्राम पर पांच दिन की रोक लगाई थी। सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि संवेदनशील परिस्थितियों में सरकार को आवश्यक कदम उठाने का अधिकार है और इस मामले में पर्याप्त कारण मौजूद थे। सरकार ने अदालत को बताया कि टेलीग्राम का नाम पहले भी पेपर लीक, फर्जी प्रश्नपत्रों के प्रसार और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों से जुड़े मामलों में सामने आ चुका है। इसी वजह से एहतियातन यह निर्णय लिया गया।

अदालत ने यह भी माना कि सूचना प्रौद्योगिकी कानून सरकार को विशेष परिस्थितियों में किसी मंच पर अस्थायी प्रतिबंध लगाने की शक्ति देता है। अब परीक्षा संपन्न होने तक इस फैसले पर सभी की नजरें टिकी रहेंगी।

शिक्षिका बनी तो पति से तोड़ लिए सारे रिश्ते!

नौकरी मिली, बढ़ गया वैवाहिक विवाद

भर्ती दस्तावेजों पर उठे गंभीर सवाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार में सरकारी शिक्षिका से जुड़ा एक अनोखा मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। आरोप है कि शिक्षक भर्ती परीक्षा में सफल होने के बाद एक महिला ने अपने पति के साथ रहने से इनकार कर दिया। मामला अब शिक्षा विभाग और अदालत तक पहुंच गया है।

जौनपुर निवासी प्रवीण कुमार विश्वकर्मा का दावा है कि उनकी शादी दिसंबर 2022 में हुई थी। परिवार के अनुसार, शादी के बाद पत्नी ने शिक्षक भर्ती परीक्षा की तैयारी की, जिसमें ससुराल पक्ष ने भी सहयोग किया। वर्ष 2023 में परीक्षा पास करने के बाद उनकी नियुक्ति मुजफ्फरपुर के एक प्राथमिक विद्यालय में हो गई। पति पक्ष का आरोप है कि नौकरी मिलने के बाद शिक्षिका का व्यवहार बदल गया और उन्होंने धीरे–धीरे ससुराल से दूरी बना ली। इतना ही नहीं, भर्ती प्रक्रिया के दौरान खुद को अविवाहित बताने का भी आरोप लगाया गया है। शिकायत जिला शिक्षा पदाधिकारी को सौंपकर जांच की मांग की गई है। वहीं शिक्षिका ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि वैवाहिक विवाद को सुलझाने के कई प्रयास किए गए, लेकिन बात नहीं बन सकी। उनका कहना है कि मामला अदालत में विचाराधीन है और वहीं सच्चाई सामने आएगी। अब सबकी नजर विभागीय जांच और न्यायालय के फैसले पर टिकी हुई है।

भगवान राम विवाद पर बांग्लादेश में उबाल बढ़ा

कार्यवाही नहीं होने पर छात्रों का प्रदर्शन

अल्पसंख्यक संगठनों ने खोला मोर्चा

यूनिक समय, नई दिल्ली। बांग्लादेश में भगवान राम से जुड़े कथित अपमान और प्रस्तावित प्रतिमा निर्माण विवाद को लेकर अल्पसंख्यक समुदाय में नाराजगी बढ़ गई है। हिंदू छात्र संगठनों और सामाजिक समूहों ने सरकार पर कार्रवाई में देरी का आरोप लगाते हुए बड़े आंदोलन का ऐलान किया है। शुक्रवार को ढाका के शाहबाग क्षेत्र में प्रदर्शन की तैयारी की गई है।

छात्र संगठनों का कहना है कि घटना के बाद सरकार को 72 घंटे का समय दिया गया था, लेकिन निर्धारित अवधि बीतने के बावजूद आरोपियों के खिलाफ कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। इससे समुदाय में असंतोष बढ़ गया है। विवाद गाइबंधा जिले में भगवान श्रीराम की प्रस्तावित 81 फीट ऊंची प्रतिमा को लेकर शुरू हुआ। आरोप है कि कुछ समूहों ने निर्माण कार्य का विरोध किया और धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाली टिप्पणियां कीं। इसके बाद विभिन्न छात्र संगठनों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। हिंदू समुदाय के नेताओं का कहना है कि यह केवल एक धार्मिक मुद्दा नहीं, बल्कि अल्पसंख्यकों की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों से जुड़ा विषय है। कई सामाजिक और धार्मिक संगठनों ने भी आंदोलन को समर्थन दिया है। ढाका प्रेस क्लब के बाहर मानव श्रृंखला और विरोध कार्यक्रमों की घोषणा की गई है। विभिन्न संगठन दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग कर रहे हैं। आंदोलन को लेकर पूरे देश में राजनीतिक और सामाजिक हलकों की नजरें टिकी हुई हैं।

भ्रामक दावों पर एफएसएसएआई ने कसा शिकंजा

14 खाद्य कंपनियों को नोटिस जारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। खाद्य उत्पादों के भ्रामक विज्ञापनों और नियमों के उल्लंघन पर भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने सख्त रुख अपनाया है। प्राधिकरण ने 14 प्रमुख खाद्य कंपनियों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। आरोप है कि इन कंपनियों ने अपने उत्पादों के बारे में ऐसे दावे किए, जो उपभोक्ताओं को गुमराह कर सकते हैं। जांच में कुछ कंपनियों के उत्पादों पर 'नो एडेड शुगर', '100 प्रतिशत नेचुरल' और स्वास्थ्य लाभ से जुड़े दावे नियमों के विपरीत पाए गए। एफएसएसएआई का कहना है कि ऐसे दावों के समर्थन में पयकार्यवाहींप्त वैज्ञानिक प्रमाण उपलब्ध नहीं कराए गए। कार्रवाई के दायरे में कई खाद्य और पेय पदार्थ निर्माता शामिल हैं। इसके अलावा स्वच्छता संबंधी शिकायतों पर भी कार्रवाई हुई है। कुछ कंपनियों से खाद्य पदार्थों में गुणवत्ता संबंधी खामियों और उत्पादन प्रक्रिया में सुधार के बारे में रिपोर्ट मांगी गई है।

एफएसएसएआई ने स्पष्ट किया है कि खाद्य सुरक्षा, सही लेबलिंग और पारदर्शी विज्ञापन नियमों का पालन अनिवार्य है। नियमों के उल्लंघन पर आगे भी कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

संयुक्त जिला चिकित्सालय का हाल–बेहाल

एक डॉक्टर के भरोसे अस्पताल

हड्डी रोग विशेषज्ञ के न आने से भटक रहे रोगी

स्त्री रोग विशेषज्ञ के इंतजार में समय बिता रहीं महिला रोगी

अल्ट्रासाउंड मशीन तो है, लेकिन बाहर होते हैं अल्ट्रासाउंड

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। शुक्रवार को जिला संयुक्त चिकित्सालय में डॉक्टरों को दिखाने को पर्ची बनवाने के लिए रोगी और तीमारदारों की लाइन लगी है। हर किसी को एक ही उम्मीद है डॉक्टर देखेगा तो कुछ मन की तसल्ली होगी, लेकिन डॉक्टर अपने कक्षों से गायब है। हड्डी वाले डॉक्टर तो पिछले कई दिनों से नहीं आ रहे हैं। स्त्री रोग विशेषज्ञ का भी पता नहीं है। ऐसे में महिला रोगी उनके इंतजार बैठे–बैठे निराश हो रही हैं। वह कभी घड़ी की सुइयों को देखती हैं तो कभी उनकी खाली कुर्सी की ओर। खराब अल्ट्रासाउंड मशीन तो चिकित्सालय की शोभा बढ़ा रही है।

संयुक्त जिला चिकित्सालय में व्हील चेयर पर दादी मां को ले जाता नाती।

बसपा शासनकाल में बने इस अस्पताल को बहुत से लोग तो मायावती हास्पीटल के नाम से जानते हैं, लेकिन इसका नाम संयुक्त जिला चिकित्सालय है।

वृंदावन और आसपास के रोगियों को इस चिकित्सालय के डॉक्टरों से बहुत उम्मीद होती है। इसलिए तो बड़ी संख्या में रोगियों को लेकर तीमारदार पहुंचते हैं। वजह सिर्फ एक रुपये की पर्ची में कई रोगों का इलाज हो जाता है, हालांकि पर्ची की विंडों के पास एक सूचना पट भी है, उस पर कई शुल्क भी अंकित हैं। खैर, अव्यवस्थाओं की बात की जाए तो यहां आने वाले रोगी और तीमारदार बखूबी बना सकते हैं। सबसे पहले पर्ची बनवाने के लिए काफी समय तक लाइन में लगना पड़ता है। बड़ी धीमी गति से काम किया जाता है। तीमारदारों की मानें तो पर्ची बनाने वाले हंसी- ठिठोली में अपना समय बर्बाद करते हैं। यदि कुछ कहें तो जवाब मिलता है कि आप कौन।

शुक्रवार को पर्ची लेकर डॉक्टरों के पास दिखाने पहुंचे तो कक्ष नंबर चार में एक डाक्टर कई बीमारियों के रोगियों को देखते नजर आए। उनकी बगल में स्त्री रोग विशेषज्ञ के कक्ष पर महिला रोगी इंतजार में दिखाई दी। अंदर की सीट पर खाली नजर आ रही थी। रोगी कभी घड़ी की सुई को देखती है तो कभी अंदर झांककर डाक्टर को। साथ वाला कक्ष हड्डी रोग विशेषज्ञ का था। पर्ची विंडों पर हड्डी वाले डाक्टर का जिक्र हेने पर जवाब मिलता कि वह तो हैं ही नहीं। मालूम पड़ा कि हड्डी रोग विशेषज्ञ कई दिनों से नदारद हैं।

मोबाइल जमा करो और व्हील चेयर लो

सरकारी अस्पताल का हैरान कर देने वाला कारनामा

यूनिक समय, वृंदावन। शुक्रवार को संयुक्त जिला चिकित्सालय में एक वाकया ऐसा सामने आया कि उसे देखकर हर कोई हैरान रह गया। पानी घाट निवासी कुनाल अपनी दादी को ई रिक्शा से लेकर चिकित्सालय आया। ई रिक्शा वाले ने उनको सीढ़ियों के पास उतार दिया। पर्ची विंडों पर अधिक भीड़ होने के कारण कुनाल ने एप से पर्ची बनवाई और प्रिंट निकलवाया। संकट यह आया कि वह दादी मां को डाक्टर के पास कैसे ले जाए। उसको व्हील चेयर दिखाई दी। मन को तसल्ली मिली को चलो व्हील चेयर के पास डाक्टर के पास पहुंचने में सहूलियत मिलेगी, लेकिन उसकी माने को व्हील चेयर के लिए आईडी मांगी गई। आईडी न होने पर कुछ चिक- चिक हुई। बात मोबाइल जमा करने पर सहमति बनी। आखिर उन्होंने व्हील चेयर की खातिर मोबाइल जमा किया। फिर वह व्हील चेयर से दादी मां को डाक्टर के पास पहुंचा। डॉक्टर ने एक्स –रे कराने की सलाह दी। वह व्हील चेयर से लेकर एक्स रे रूम तक पहुंचा। फिर अव्यवस्था की बात करते–करते उसकी जुबान पर मोबाइल की बात आई। इस संबंध में सीएमएस डा. वंदना गुप्ता से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन संपर्क न होने से उनका पक्ष नहीं दिया जा रहा है।

मथुरा में छह केंद्रों पर होगी री–नीट परीक्षा, कड़े सुरक्षा इंतजाम

यूनिक समय, मथुरा। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा आयोजित री–नीट (यूजी) को नकल विहीन कराने के लिए शुक्रवार को एडीएम प्रशासन अमरेश कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में समस्त मजिस्ट्रेटों, रिजर्व मजिस्ट्रेटों, केंद्र व्यवस्थापकों, सहायक नोडल अधिकारियों, केंद्र प्रभारियों, जनपदीय नियंत्रण कक्ष प्रभारी आदि के साथ समीक्षा बैठक हुई।

एडीएम ने बताया कि जनपद के छह केंद्रों पर परीक्षा 21 जून को दोपहर दो बजे से सायं 5:15 बजे तक आयोजित होगी। जनपद में 3380 अभ्यर्थियों द्वारा परीक्षा दी जाएगी। इसके लिए छह मजिस्ट्रेटों- डिप्टी कलेक्टरों की ड्यूटी लगाई गई है। उन्होंने केंद्रों पर सीसी कंट्रोल रूम, सुरक्षा व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल और प्रवेश प्रक्रिया के संबंध में निर्देश दिए। मजिस्ट्रेटों को सख्त निर्देश दिए कि सुरक्षा मानकों का शत-प्रतिशत अनुपालन तय करें। परीक्षा से पूर्व सभी मजिस्ट्रेट केंद्रों का निरीक्षण करे। परीक्षा की समाप्ति तक केंद्रों की समीपवर्ती समस्त फोटो स्टेट, साइबर कैफे की दुकानें बंद रहेंगी। बैठक में डिप्टी कलेक्टर डॉ. कंचन, नरेंद्र सिंह यादव, अखिलेश कुमार, सुशील कुमार, प्राजक्ता त्रिपाठी, चंद्र भूषण प्रताप सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

साइबर ठगी करने वाले दो ठग गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। कोसीकलां पुलिस ने सायबर ठगी करने वाले दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके पास से पांच सिम और तीन फर्जी आधार कार्ड बरामद किए हैं। पुलिस ने लोगों के साथ साइबर ठगी करने वाले दो वांछित अभियुक्त तालिबान निवासी नगला सिरौली थाना कोसीकलां और आशिक निवासी नगला उठावर थाना कोसीकलां को गिरफ्तार किया है।

पत्रकारों को वर्तमान में अपनी साख बचाने की चुनौती : पांडेय

पत्रकारिता संगोष्ठी में कैबिनेट मंत्री मनोज कुमार पांडेय को सम्मानित करते ब्रज क्लब अध्यक्ष डॉ. कमलकान्त उपमन्यु। साथ हैं डीएम सीपी सिंह।

यूनिक समय, मथुरा। नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स इंडिया और ब्रज प्रेस क्लब के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को 34 वें पत्रकारिता दिवस समारोह के उपलक्ष्य में संगोष्ठी हुई।

शुभारंभ करने के बाद खाद्य रसद एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री मनोज कुमार पांडेय ने कहा कि आज के दौर में पत्रकारों के समक्ष चुनौतियां हैं। मथुरा के पत्रकारों की समस्याओं का समाधान कराने के लिए मुख्यमंत्री से मिलेंगे। राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डा.बबीता सिंह चौहान ने कहा कि पत्रकार अपनी खबरों में भी ब्रजभाषा का समावेश करें।

उत्तर प्रदेश राज्य मुख्यालय मान्यता प्राप्त संवाददाता समिति के अध्यक्ष हेमंत तिवारी ने कहा कि आज एआई पत्रकारों को बेरोजगार कर रहा है। एनयूजेआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष रास बिहारी ने देशभर में पत्रकार सुरक्षा अधिनियम लागू करने की मांग की।

डीएम चंदप्रकाश सिंह ने कहा समाजहित में पत्रकार इसी प्रकार से कार्य करते रहें। एसएसपी श्लोक कुमार ने कहा कि पत्रकार समाज का दर्पण हैं। कार्यक्रम को दिल्ली जर्नलस्टि एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश थपलियाल, एनयूजेआई चुनाव आयोग के अध्यक्ष रधिबल यादव, जर्नलिस्ट एसोसिएशन प्रदेश संयोजक राकेश शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष संजय सैनी, विहिप के ब्रज प्रांत अध्यक्ष कन्हैया लाल अग्रवाल, समाजसेवी प्रमोद कसेंरे ने भी संबोधित किया।

एनयूजे के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और ब्रज प्रेस क्लब के अध्यक्ष डॉ.कमल कान्त उपमन्यु एडवोकेट ने ब्रज प्रेस क्लब बनवाने की पुनः मांग की। संचालन पत्रकार अनूप शर्मा ने किया। कार्यक्रम में भागवताचार्य पूर्णप्रकाश महाराज, विहिप जिलाध्यक्ष रनवीर कमान्डो, पूर्व चेयरमैन राकेश शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार किशन चतुर्वेदी, सीपी सिंह सिकरवार, भोलेश्वर उपमन्यु समेत सैकड़ों उपस्थित रहे।

रासलीला के प्रशिक्षु बच्चों ने योग पर चित्र बनाकर दिखाई प्रतिभा

योग को लेकर बनाए गए चित्रों को दिखाते प्रशिक्षु बच्चे।

यूनिक समय, वृंदावन। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के आह्वान पर गीता शोध संस्थान और रासलीला अकादमी में शुक्रवार को योग विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता हई।

संस्थान के समन्वयक चंद्र प्रताप सिंह सिकरवार ने बताया कि रासलीला, सांस्कृतिक मंचन और कथक नृत्य का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे बालक–बालिकाओं ने योग के विभिन्न स्वरूपों, आसनों और स्वस्थ जीवन के संदेश को अपने चित्रों के माध्यम से अभिव्यक्त किया। संचालन में प्रशिक्षक- कोरियोग्राफर रितु सिंह, मानसी राजपूत, संगीतज्ञ मनमोहन कौशिक, सुनील पाठक ने सहयोग दिया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बच्चों में नंदिनी, जानवी, कनिका, रुक्मणी, आरती, मोहिनी, छवि, खुशी, दीक्षा, पूर्वी, प्रियांशु, सुनील, दिव्या, प्रियांशी, संजना, राशि, वीर, साक्षी, शबनम, छाया, यशु, चंचल और अन्य प्रतिभागी शामिल रहे। संस्थान में 21 जून को विशेष योग कार्यक्रम होंगे।

आशा नगला में जाटव समाज के लोगों ने किया प्रदर्शन

यूनिक समय, गोवर्धन। सौंख क्षेत्र स्थित आशा का नगला के जाटव समाज ने शुक्रवार को प्रदर्शन किया। अवैध पटटों की जांच कराने की मांग की।

जाटव समाज के ग्रामीणों ने प्रदर्शन करते हुए बताया कि समाज के लिए 1968 में ग्राम प्रधान सौंख देहात विजेंद्र सिंह ने आठ व्यक्तियों के नाम पट्टे काटे। आंबेडकर पार्क और मंदिर, धर्मशाला आदि के लिए जगह आवंटित की। इसके बाद धर्मशाला बनी, आंबेडकर प्रतिमा लगाई गई, उद्घाटन पूर्व सांसद मानवेंद सिंह ने पूर्व विधायक बलजीत सिंह की उपस्थिति में किया। इसके बाद गुप्तेश्वर महादेव मंदिर बना। लोगों ने बताया कि पार्क में पट्टे आवंटित है, जो बिल्कुल असत्य है। जिनके पट्टे पार्क में बताए जा रहे हैं, उनके असली पट्टे नगला आशा मोड़ पर हैं, जो नसबंदी के एवज मिले थे। इस अवसर साहब सिंह, राधारमण, चरणलाल,सुरेश, श्याम प्रधान, केशव, ओमी, तुलसी मास्टर, शिवलाल , हुकुम सिंह, वीरेश सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

हर शनिवार सजेगी 'मस्ती की पाठशाला'

परिषदीय स्कूलों में नए सत्र से होगी खेल–गीत के जरिए पढ़ाई

बच्चों को आनंददायक और तनावमुक्त बनाने पर रहेगा विशेष जोर

यूनिक समय, मथुरा। बेसिक शिक्षा परिषद के अधीन संचालित परिषदीय विद्यालयों में नए शैक्षणिक सत्र से हर शनिवार 'मस्ती की पाठशाला' सजेगी। विभाग की ओर से जारी वार्षिक शैक्षिक कैलेंडर में बच्चों की पढ़ाई को रोचक, आनंददायक और तनावमुक्त बनाने पर विशेष जोर दिया गया है।

जिले के परिषदीय विद्यालयों में अध्ययनरत करीब 1.40 लाख छात्र–छात्राओं को अब खेल, कहानी, चित्रकला, संगीत, समूह चर्चा और अन्य रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से सीखने का अवसर मिलेगा।

नए कैलेंडर के अनुसार, प्रत्येक शनिवार को विद्यालयों में मनोरंजक और शैक्षिक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी, जबकि हर महीने के अंतिम शनिवार को बाल मनोविज्ञान आधारित विशेष कार्यक्रम संचालित होंगे। विभाग ने 50 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए विशेष अतिरिक्त कक्षाओं की भी व्यवस्था की है। इन कक्षाओं में बच्चों की बुनियादी शैक्षिक अवधारणाओं को मजबूत करने पर ध्यान दिया जाएगा, ताकि वे अन्य विद्यार्थियों के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ सकें।

इसके अलावा विद्यालयों में प्रत्येक सप्ताह 'रीडिंग डे' मनाया जाएगा। इस दौरान बच्चों को पुस्तकालय में समय देकर विभिन्न प्रकार की पुस्तकों के अध्ययन के लिए प्रेरित किया जाएगा। विभाग का मानना है कि इससे विद्यार्थियों की भाषा दक्षता, कल्पनाशक्ति और मानसिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। बीएसए रतन कीर्ति ने बताया कि नए शैक्षिक कैलेंडर का उद्देश्य बच्चों में पढ़ाई के प्रति रुचि विकसित करना और उनकी रचनात्मक प्रतिभा को निखारना है। सभी विद्यालयों को नए सत्र से इस व्यवस्था को प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

रजिस्ट्री विभाग के निजीकरण के विरोध में हवन

यूनिक समय, मथुरा। रजिस्ट्री विभाग की प्रस्तावित फ्रंट ऑफिस व्यवस्था और निजीकरण के विरोध में दस्तावेज लेखकों एवं अधिवक्ताओं का आंदोलन शुक्रवार को 11वें दिन भी जारी रहा। उपनिबंधक कार्यालय परिसर में संघर्ष समिति के नेतृत्व में हवन यज्ञ आयोजित कर सरकार से निर्णय पर पुनर्विचार की मांग की गई। संघर्ष समिति के अध्यक्ष सुरेश चौधरी प्रधान ने कहा कि पिछले दस दिनों से शांतिपूर्ण धरना दिया जा रहा है, लेकिन सरकार की ओर से कोई सकारात्मक संकेत नहीं मिला है।

सूचना

मैं मुखराम पुत्र श्यामलाल निवासी गांव रूजगेला पोस्ट ब्योही तहसील महावन थाना राया जनपद मथुरा अपने पुत्र राजू एवं उसके परिवार को अपनी कृषि भूमि गाटा संख्या 517 एवं आवासीय घर से बेदखल करता हूं